RNI No. : TNHIN/2013/52520 · वर्ष - 13 · अंक - 267 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · चेन्नई » शनिवार » 25-04-2026 · www.dakshinbharat.com · Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राघव चड्ढ़ा, अशोक मित्तल समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ी

6 पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला?

7 कृतिका कामरा ने बताए 'मटका किंग' में गुलरुख के खास लुक के राज

फर्स्ट टेक

इसरो ने उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग मानचित्रण पूरा किया

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि उसने विकेंद्रीकृत योजना को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज मंत्रालय के साथ सहयोग करते हुए पूरे देश के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग और भूमि आवरण का मानचित्रण पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि 1:10,000 पैमाने पर उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग और भूमि आवरण मानचित्रण तैयार किया गया है और इसे सरकारी संगठनों को उपलब्ध कराया गया है। इसरो ने पोस्ट में कहा, यह आंकड़े ग्राम पंचायत विकास योजनाओं को समर्थन देता है और पंचायती राज मंत्रालय के 'ग्राम मानचित्र' वेब पोर्टल पर एक सूचना परत के रूप में एकीकृत किया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर डेटा-आधारित और मजबूत शासन को बढ़ावा मिलता है।

जनगणना 2027: आरजीआई ने टोल-फ्री हेल्पलाइन 1855 शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) ने देश की जनगणना 2027 के पहले चरण: आवास सूचीकरण और आवास गणना (एचएलओ) से संबंधित प्रश्नों या मार्गदर्शन के लिए एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1855 की शुरुआत की है। जनगणना आयुक्त ने जनता के लिए एक व्हाट्सएप चैटबॉट की भी शुरुआत की। आरजीआई ने हाल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में कहा कि 'हेल्पलाइन' की बहुभाषी सुविधा जनगणना कर्मियों, पर्यवेक्षकों और आम जनता की जरूरतों और प्रश्नों का समाधान करेगी।

अदालत ने शरण देने संबंधी ट्रंप के प्रतिबंध को अवैध बताया

वाशिंगटन/एपी। एक अपीलीय अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत शरण देने की सुविधा को निलंबित कर दिया गया था। यह आदेश रिपब्लिकन राष्ट्रपति की अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवासन पर नकेल कसने की योजना का एक प्रमुख स्तंभ था। कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट सर्किट के लिए 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पाया कि आव्रजन कानून लोगों को सीमा पर शरण के लिए आवेदन करने का अधिकार देते हैं और राष्ट्रपति इसका उल्लंघन नहीं कर सकते।

25-04-2026 सूर्यास्त	26-04-2026 सूर्योदय
6:22 बजे	5:50 बजे

BSE	NSE
76,664.21	23,897.95
(-999.79)	(-275.10)

सोना	चांदी
15,861 रु.	251,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहुत चिंताजनक

हो रहे सियासत में पक्के,
शिक्षण के सारे संस्थान।
हैं छात्र सभी भ्रम के शिकार,
गुरु घंटालों में फँसा ज्ञान।
बन रहे दलों के सब मोहरे,
अपने-अपने जिनके निशान।
पीढ़ी यदि भटक गई तो फिर,
कैसे होगा भारत महान।।

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही।

भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा।

भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा।

भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा। उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से।

बिहार विधानसभा में सम्राट चौधरी सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नीत सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। राज्य विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान सम्राट ने यह प्रस्ताव पेश किया कि ''सदन राज्य की वर्तमान मंत्रिपरिषद में अपना विश्वास व्यक्त करे।'' राज्य के 243 सदस्यीय सदन में यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया, जहां भाजपा नीत राजग को 202 सीट के साथ भारी बहुमत प्राप्त है।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा, ''राजग सरकार हमेशा किसानों, गरीबों और सुशासन के लिए काम करती रही है।'' उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन स्थापित करने का कार्य नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देना ऐतिहासिक निर्णय था और राज्य में शराबबंदी लागू करने का फैसला भी पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिया था।''

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष ने राज्यसभा में नया नोटिस दिया

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी को दिया गया है। विपक्ष ने इससे पहले संसद के दोनों सदनों में कुमार के खिलाफ नोटिस दिया था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राज्यसभा के 73 विपक्षी सदस्यों ने सदन के महासचिव को भारत के राष्ट्रपति को संबोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए एक नया नोटिस सौंपा है, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का आग्रह किया गया है।''

'जन नायक' लीक मामला:

नियमों के उल्लंघन के आरोप में फिल्म संपादक निलंबित

चेन्नई/भाषा। दक्षिण भारत फिल्म संपादक एसोसिएशन (एसआईएफईए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि फिल्म संपादक प्रदीप ई. राघव को संघ के उपनियमों के उल्लंघन और शीर्ष अभिनेता विजय अभिनीत फिल्म 'जन नायक' के अवैध ऑनलाइन लीक को रोकने में विफल रहने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसोसिएशन ने कहा कि यह निर्णय 17 अप्रैल को आयोजित एक आपातकालीन कार्यकारी समिति की बैठक के बाद लिया गया।

84.69 प्रतिशत मतदान करके लोकतंत्र की रक्षा करने का

तमिलनाडु के मतदाताओं ने अपना कर्तव्य बखूबी निभाया : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में 23 अप्रैल को हुआ भारी मतदान नागरिक जिम्मेदारी का एक सराहनीय कदम था और उन्होंने इसे बड़े बदलाव वाला चुनाव करार दिया।

लोगों ने चिलचिलाती धूप के बावजूद बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई लोगों ने मतदान के लिए लंबी दूरी तय की और मत देने के बाद बृहस्पतिवार रात को ही अपने कार्यस्थल पर लौट गये।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' 'यह केवल एक वोट है' सोचने के बजाय, लोगों ने शायद इस प्रेरणा के साथ वोट दिया कि 'यह एक समूची पीढ़ी के लिए है'। मैं ऐसे सभी जिम्मेदार नागरिकों की सराहना करता हूं।

मुख्यमंत्री ने 'तमिलनाडु चुनाव 2026 लोकतांत्रिक उत्सव: रिकॉर्ड मतदान; जनता की सराहनीय नागरिक जिम्मेदारी' शीर्षक वाले पोस्ट में कहा कि हमेशा की तरह, चुनाव बिना किसी बड़ी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा, यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि तमिलनाडु के मतदाताओं ने 84.69 प्रतिशत मतदान करके लोकतंत्र की रक्षा करने का अपना कर्तव्य बखूबी निभाया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य में 85.15 प्रतिशत मतदान हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा, तमिलनाडु में मतदान हो चुका है। तमिलनाडु चार मई को जीतेगा। आइए मिलकर जीत हासिल करें।

अमेरिका ने चीन की तेल रिफाइनरी और 40 नौवहन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन ने चीन की एक प्रमुख तेल रिफाइनरी और ईरानी तेल के परिवहन में शामिल लगभग 40 नौवहन कंपनियों और टैंकरों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये हैं। अमेरिका ने इस महीने फारस की खाड़ी के होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी प्रभावी की है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। ये प्रतिबंध राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के शी चिनफिंग के चीन में होने वाली मुलाकात से ठीक कुछ सप्ताह पहले लगाए गए हैं। शुक्रवार को लगाए गए प्रतिबंधों में हेंगली पेट्रोकेमिकल की डालियान बंदरगाह शहर में स्थित कंपनी भी शामिल है।

जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति 'रश्मिरथी' आज भी समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है तो जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद के नाम पर समाज को कमजोर करने वालों के खिलाफ आगाह किया और ''देशद्रोहियों'' के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने रामधारी सिंह दिनकर की 52वीं पुण्यतिथि और उनकी कालजयी कृति 'रश्मिरथी' के प्रकाशन के 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय 'रश्मिरथी महोत्सव' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''राष्ट्रकवि दिनकर की कालजयी काव्य कृति 'रश्मिरथी' के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साहित्य के ऐसे सशक्त साधक के प्रति हम सब अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रदेश की राजधानी में एकत्र हैं।'' उन्होंने कहा, '' यहां हम उनकी कालजयी काव्यकृति पर आधारित नाट्य-शृंखला का मंचन देखेंगे। हम देखेंगे कि किस प्रकार मां सरस्वती दिनकर जी की जिह्वा पर विराजती थीं और उनकी लेखनी शब्दों को पिरोती थी। यह सब 'रश्मिरथी' के इस मंचन के माध्यम से हम सभी को देखने-सुनने को मिलेगा। इस अवसर पर दिनकर जी की स्मृतियों को नमन करते हुए मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें याद रखना चाहिए कि यदि हम अपनी स्वतंत्रता को संरक्षित करना चाहते हैं, एक विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा रखते हैं, तो हमें उन गद्दारों के खिलाफ सतर्क रहना चाहिए, जो देश को लूटते हैं और जातिवाद के नाम पर समाज को कमजोर करते हैं।

आरसीबी ने गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराया

बेंगलूरु/भाषा। देवदत्त पडिक्कल ने 55 रन और विराट कोहली ने 81 रन की बेहतरीन पारियां खेलीं जो साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हरा दिया। पडीक्कल और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी से आरसीबी लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गई। टीम ने अंत में 18.5 ओवर में 206 रन का लक्ष्य पूरा कर लिया और 10 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से उम्मीदें बढ़ रही हैं : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि लोग अब इसरो की उपलब्धियों से आश्चर्यचकित नहीं होते और अंतरिक्ष एजेंसी के अभियानों का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले, जब देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रारंभिक अवस्था में था, तब लोगों को चंद्रयान और मंगलयान जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिए जाने की उम्मीद नहीं थी।

शुक्ला ने कहा, ''अब आश्चर्य का तत्व खत्म हो गया है। लोग अब हमसे अपेक्षाएं रखने लगे हैं। वे कह रहे हैं कि हम आपके साथ उड़ान भरना चाहेंगे और गगनयान में आपके साथ जाना चाहेंगे।''

उन्होंने ये टिप्पणियां भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) द्वारा आयोजित भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी (आईडीएस) 2026 के अंतिम दिन अपने संबोधन के दौरान कीं। शुक्ला जुलाई 2025 में 'एक्सिओम मिशन 4' के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बन गए थे।

शुक्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की अभूतपूर्व उपलब्धियों को अपनाने की आवश्यकता है।

देश भर के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर

दिसंबर से बाधा-मुक्त टोल प्रणाली लागू होगी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी।

गडकरी ने 'लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स 2026' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी।

इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क अपने आप वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा।

केदारनाथ के कपाट खुलने के पहले तीन दिनों में ही 90 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाट खुलने के पहले दिन 22 अप्रैल को 38,000, दूसरे दिन 25,000 से अधिक और शुक्रवार को तीसरे दिन भी अब तक 30,000 से अधिक यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं।

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के पहले तीन दिनों में ही 90 हजार से अधिक तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे।

रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन द्वारा केदारपुरी में यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के बाद रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि यात्रा के शुरुआती दिनों में ही श्रद्धालुओं का भारी उत्साह देखने को मिला है और अब तक 90 हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों द्वारा दर्शन किए जा चुके हैं । उन्होंने कहा कि कपाट खुलने के पहले दिन 22 अप्रैल को 38,000, दूसरे दिन 25,000 से अधिक और शुक्रवार को तीसरे दिन भी अब तक 30,000 से अधिक यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं।

तोमर ने बताया कि धाम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं तथा पर्याप्त पुलिस बल के साथ-साथ केंद्रीय अर्द्धसैनिक सुरक्षा बल की तैनाती भी की गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन सेवा, राज्य आपदा प्रतिवादन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें मुस्तैद हैं।

इससे पहले, रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा और पुलिस अधीक्षक ने अपनी टीम के साथ पूरे परिसर का भ्रमण कर यह सुनिश्चित किया कि श्रद्धालुओं को कहीं किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान न दें और यात्रा से जुड़ी सही और सटीक जानकारी के लिए केवल पुलिस व प्रशासन के आधिकारिक मीडिया हैंडल्स का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन उनकी सुरक्षित यात्रा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव मजबूत हो रही है सरकार : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को कहा कि ''डबल इंजन'' की सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं दीं।

साय ने कहा, ''डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी और पंच तथा सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने कहा, ''पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव मिलते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं।''

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं।

महाराष्ट्र में रहने वालों को मराठी सीखनी चाहिए : संजय राउत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को मराठी सीखनी चाहिए और साथ ही हर किसी को कानून का पालन करना चाहिए तथा उस राज्य का सम्मान करना चाहिए जो उन्हें आजीविका प्रदान करता है। राउत ने मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों द्वारा मराठी भाषा को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि असहमति व्यक्त करना संवैधानिक अधिकार है, लेकिन यह कानून के दायरे में और अनुशासन के साथ होना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य ने इस बात पर बल दिया कि महाराष्ट्र में अपनी आजीविका कमाने वालों को राज्य की भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, जो लोग यहां रहते और काम करते हैं, उन्हें महाराष्ट्र का सम्मान करना चाहिए। उन्हें यहां रोजगार और सुविधाएं मिल रही हैं, इसलिए उन्हें मराठी भी सीखनी चाहिए, क्योंकि जिन लोगों से वे अधिकतर बातचीत करते हैं, वे मराठी बोलते हैं। राउत ने कहा कि मराठी भाषा के खिलाफ नकारात्मक रुख अपनाना गलत है। शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, हर किसी को कानून का पालन करना चाहिए। ऑटो और टैक्सी चालक विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे स्वयं कहते हैं कि लोगों को कानून के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। यह राज्य आपको रोजगार, आवास और जीवन की सभी सुविधाएं दे रहा है, इसलिए आपको इसका सम्मान करना चाहिए।

पटियाला में 18 महीने बाद बीएसएनएल टावर से नीचे उतारे गए खालसा ने कहा ''हम जीत गए''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समाना (पंजाब)/भाषा। पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के लिए सख्त कानूनों की मांग को लेकर करीब 560 दिनों से 400 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर बैठे कार्यकर्ता गुरजीत सिंह खालसा को आखिरकार शुक्रवार सुबह नीचे उतार लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस घटनाक्रम के साथ ही गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे खालसा (43) के अनूठे ढंग से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का समापन हो गया। उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समीप समाना में स्थित टावर पर चढ़कर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पटियाला के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों की एक टीम ने विशेष 'क्रेन-लिफ्ट' की मदद से उन्हें नीचे उतारा। कार्यकर्ता को टावर से उतारते समय उन्होंने हाथ हिलाकर अपने उन समर्थकों का अभिवादन किया जो नीचे खड़े थे। इस बीच एक समर्थक ने चिल्लाकर कहा कि खालसा ''चढ़दी कला'' (जोश) में है। खालसा को 'सिख जयकारा' और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के नारों के बीच टावर से उतारने के बाद चिकित्सा जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इस बीच उनके समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। कई स्थानीय लोगों को अपने घरों की छतों से इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए देखा गया।

पटियाला जिले के खेड़ी नगैयां गांव के निवासी कार्यकर्ता ने जमीन पर कदम रखते हुए कहा, ''हम जीत गए हैं।''

खालसा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, ''गुरु की कृपा से मैं 18 महीने और 12 दिन बाद सुरक्षित वापस आ गया हूं। मैं पंजाब सरकार का आभारी हूं।''

आरबीआई ने बंधन बैंक, मुथूट हाउसिंग फाइनेंस पर जुर्माना लगाया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) सहित कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बंधन बैंक पर जुर्माना लगाते हुए आरबीआई ने कहा कि बैंक खातों की कुछ श्रेणियों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा और उसने निदेशकों से संबंधित ऋण मंजूर किए। आरबीआई ने कहा, ''यह कार्रवाई वैधानिक और नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला सुनाना नहीं है।'' एक अन्य बयान में केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसने निष्पक्ष व्यवहार संहिता पर आरबीआई द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर 80,000 रुपए का जुर्माना लगाया है।

'घरेलू खपत से वृद्धि को मिल रही मजबूती, जीडीपी विस्तार के लिए पूर्वानुमानित समर्थन जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू खपत देश की आर्थिक वृद्धि को गति दे रही है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विस्तार की रफ्तार बनाए रखने के लिए स्थिर और पूर्वानुमानित नीतिगत समर्थन आवश्यक है।

सीतारमण ने यहां एसबीआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि बैंकरों की एक समिति इस मुद्दे पर विचार कर रही है कि क्या बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों को बेचने के लिए विशेष वितरण गठजोड़ की अनुमति दी जाए या 'खुली संरचना' का दृष्टिकोण अपनाया जाए। उन्होंने बैंकों से आग्रह किया कि जैसे-जैसे वे वैश्विक और डिजिटल हो रहे हैं, वे ग्राहकों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आईडीबीआई बैंक की विनिवेश प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा, ''घरेलू बाजार से आने वाली खपत ही हमारी वृद्धि को बनाए रखने में सक्षम है, जो अभी भी दुनिया में सबसे तेज है।'' उन्होंने कहा कि वृद्धि प्रक्रिया जारी रखने के लिए खपत आवश्यक है, लेकिन इसके लिए पूर्वानुमानित नीतियों का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''अगर हमारे घरेलू विनिर्माण, कृषि विकास, पर्यटन, आईटी और संबंधित सेवा क्षेत्र को निरंतर और पूर्वानुमानित समर्थन नहीं दिया जाता, भारत की वृद्धि गाथा को बनाए रखना मुश्किल होगा।'' निर्यात के महत्व पर चर्चा करते हुए सीतारमण ने पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी शुल्क जैसे झटकों के बावजूद निर्यातकों के काम की सराहना की। उन्होंने कहा कि निर्यातकों ने मुश्किल समय में नए बाजार खोजे हैं। पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को नीतिगत समर्थन के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और अमेरिका-ईरान वार्ता के बीच चीजें बहुत गतिशील हैं।

बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर इस संकट के प्रभाव से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि एनपीए कई दशकों के निचले स्तर पर है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश के प्रमुख आर्थिक केंद्र एवं विकास इंजन के रूप में विकसित किया जाए : नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को अमरावती को राज्य के एक प्रमुख आर्थिक केंद्र और विकास इंजन के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया है। नायडू ने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की 60वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजधानी शहर में सभी निर्माणों में तेलुगु संस्कृति और परंपराओं की झलक दिखनी चाहिए। जारी एक सरकारी बयान में कहा गया है, ''अधिकारियों को अमरावती को आंध्र प्रदेश के लिए एक प्रमुख आर्थिक केंद्र और विकास इंजन के रूप में विकसित करना चाहिए। राजधानी को निवेश और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनना चाहिए, जिसके लिए भव्य इमारतों की योजना बनाई जानी चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राजधानी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्देश दिया, जिसमें अमरावती को विजयवाड़ा से जोड़ने वाली कृष्णा नदी पर बनने वाले पुल का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने जोर दिया कि विधानसभा समेत सरकारी भवनों में विश्व स्तरीय पर्यटक अनुभव उपलब्ध होना चाहिए और उनमें स्थान का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए नवीन डिजाइन होने चाहिए। नायडू ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए एक समर्पित वित्तीय जिले की स्थापना तथा वहां जल, बिजली और गैस आपूर्ति की समुचित व्यवस्था का भी प्रस्ताव रखा।

प्रमुख बंदरगाहों ने 2025-26 के दौरान 91.51 करोड़ टन माल को संभाला: सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को कहा कि देश के प्रमुख बंदरगाहों ने वर्ष 2025-26 में 91.51 करोड़ टन माल का प्रबंधन किया, जो 90.4 करोड़ टन के वार्षिक लक्ष्य से अधिक है।

सोनोवाल ने कहा कि यह एक साल पहले की तुलना में 7.06 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है, जो क्षेत्र में मजबूत सुधार, दक्षता में वृद्धि और टिकाऊ वृद्धि की पुष्टि करता है। उन्होंने बताया कि 2025-26 में पोत परिवहन मंत्रालय और उससे जुड़े संगठनों का कुल पूंजीगत व्यय 14,953 करोड़ रुपए रहा, जो 2024-25 के 9,708 करोड़ रुपए की तुलना में काफी अधिक है। उन्होंने कहा, वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय ध्वज वाले बेड़े में 94 जहाज जोड़े गए, जिनकी कुल वहन क्षमता 25.67 लाख डेडवेट टन (डीडब्ल्यूटी) है, जबकि एक साल पहले 45 जहाज (7.72 लाख डीडब्ल्यूटी) शामिल किए गए थे। देश में केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले कुल 12 प्रमुख बंदरगाह हैं जो प्रमुख बंदरगाह प्राधिकार अधिनियम 2021 के प्रावधानों के तहत संचालित होते हैं। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के कार्यक्रम में यह बात कही।

सोनोवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारतीय समुद्री कार्यबल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और नाविकों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई है। भारत फिलहाल वैश्विक समुद्री कार्यबल में लगभग 12% योगदान के साथ शीर्ष तीन देशों में शामिल है और 2030 तक इसे 20% तक बढ़ाने का लक्ष्य है। समुद्री क्षेत्र में तट-आधारित नौकरियों के लिए कौशल विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है और सरकार उभरते तथा बहु-विषयक क्षेत्रों में समुद्री शिक्षा का विस्तार कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11,098 किलोमीटर लंबी तटरेखा, 111 राष्ट्रीय जलमार्ग और प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्गों पर रणनीतिक स्थिति भारत को एक महत्वपूर्ण समुद्री राष्ट्र बनाती है।

हिंदू धर्मगुरु के खिलाफ 'अपमानजनक' टिप्पणी करने के लिए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस ने एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर को इंस्टाग्राम पर जारी अपने वीडियो पोस्ट में एक हिंदू धर्मगुरु के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मुंबई के ओशिवारा इलाके से गिरफ्तार सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की पहचान अबू जाबिर हुसैन गयासुद्दीन तालुकदार उर्फ जावेद के रूप में हुई है। जावेद पर इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य का कथित तौर पर मजाक उड़ाया, जिन्होंने 'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा पर बात की थी। अकोला थाने के अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने अपने कुछ वीडियो में हिंदू धार्मिक ग्रंथों के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उन्होंने बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ता अजित यादव की इन वीडियो पर नजर पड़ी, जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी के अनुसार, शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा-299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर व दुर्भावनापूर्ण कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया गया।

आप छोड़ने वाले पार्टी सांसद 'गद्दार' : मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी छोड़ केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले सांसदों को 'गद्दार' करार दिया। मान ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा, आम आदमी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है और उसने ''पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है''। उन्होंने कहा कि जब भाजपा को मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उसने आप को तोड़ने की कोशिश की।

पंजाब के मुख्यमंत्री करीब एक सप्ताह की नीदरलैंड और फिनलैंड की यात्रा कर शुक्रवार को स्वदेश लौटे हैं। उन्होंने अपनी विदेश यात्रा के दौरान पंजाब में निवेश आकर्षित करने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग इस बात से परेशान हैं कि मान जननेता कैसे बन गया। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग आप के साथ हैं और वे दृढ़ता से पार्टी का समर्थन करते हैं। मान ने कहा कि किसी व्यक्ति से पार्टी बड़ी है, और आप छोड़ने वाले 6-7 लोग पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे पार्टी के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले, दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने कहा कि वे भाजपा में

आम आदमी पार्टी पूरी तरह से बिखर गई : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि राघव चड्ढा और संदीप पाठक सहित आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आप ''पूरी तरह से बिखर गई'' है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता। यह पार्टी, जिसने खुद को एक अलग तरह की पार्टी होने का दावा करते हुए शुरुआत की थी, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है।'' पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, ''आम आदमी पार्टी पूरी तरह से बिखर गई है। इसका टूटना अब अटकलबाजी नहीं रही, बल्कि यह वास्तविक रूप से हो रहा है।''

चड्ढा और पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे 'आप' के पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। चड्ढा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'आप' के राज्यसभा के 10 में से 7 सदस्य भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं। हमने इस संबंध में आज राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक पत्र सौंपा है।''

केजरीवाल आम आदमी पार्टी के मूल सिद्धांतों से भटक गए: स्वाति

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) अपने राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है और कदाचार में लिप्त व्यक्तियों को संरक्षण दे रही है।

मालीवाल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने 2006 में राष्ट्रीय और सार्वजनिक सेवा का मार्ग चुना था। उन्होंने कहा, ''आरटीआई आंदोलन और अन्ना आंदोलन से लेकर आम आदमी पार्टी के गठन और दिल्ली महिला आयोग में मेरी आठ साल की सेवा तक, मैंने हर स्तर पर पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ योगदान दिया।''

तेलंगाना के मुलुगु में महिला माओवादी ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद/भाषा। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) संगठन से जुड़ी छत्तीसगढ़ की 18 वर्षीय एक महिला सदस्य ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, महिला ने मुलुगु जिला पुलिस अधीक्षक केकन सुधीर रामनाथ के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

बयान में कहा गया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास के लिए तेलंगाना सरकार और पुलिस विभाग द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी मिलने के बाद महिला ने नक्सलवाद का रास्ता छोड़ने, शांतिपूर्ण जीवन जीने और मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर संपर्क बनाए रखने को सहमत: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय व्यापार वार्ता 23 अप्रैल को पूरी हुई, जिसमें दोनों पक्ष भविष्य में इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान में बताया कि दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुगमीकरण, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की। बयान में कहा गया, '' बैठकें सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुईं जिसमें प्रमुख मामलों पर प्रगति के लिए सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चा की गई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं।'' भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त बयान सात फरवरी को जारी किया था। यह ढांचा व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। भारतीय पक्ष ने अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और व्यापक बीटीए के तहत बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बैठकों के लिए वॉशिंगटन की यात्रा की।

राहुल गांधी ने सरकार के सीआईसी उम्मीदवार पर 'असहमति' जताई : आरटीआई के जवाब से खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किए जाने पर असहमति जताई थी और आईएएस सुमिता डावरा, न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर और प्रोफेसर फैजान मुस्तफा के नाम सुझाए थे।

सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जारी किए गए ब्योरे से यह जानकारी सामने आयी। कार्यकर्ता कमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) द्वारा दायर एक आरटीआई आवेदन के जवाब में, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने 10 दिसंबर, 2025 को संसद भवन में मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) और आठ अन्य सूचना आयुक्तों के चयन के लिए आयोजित बैठक का विवरण दिया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उपस्थित थे। सूचना अधिकार अधिनियम के अनुसार, मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों का चयन करने वाली तीन सदस्यीय समिति में प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं।

कार्यवाही से पता चलता है कि पूर्व आईएएस अधिकारी गोयल का नाम शाह द्वारा प्रस्तावित किया गया था। आरटीआई के तहत बत्रा को उपलब्ध कराए गए बैठक के विवरण से खुलासा हुआ, गृह मंत्री ने केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए श्री राज कुमार गोयल, आईएएस (सेवानिवृत्त) (एजीएमयूटी: 1990) के नाम का सुझाव दिया। हालांकि, विपक्ष के नेता ने असहमति जताई और तीन अन्य नामों का सुझाव दिया। कार्यवाही के विवरण के अनुसार, गांधी ने इसके बजाय श्रम मंत्रालय की पूर्व सचिव और 1991 बैच की आईएएस अधिकारी सुमिता डावरा (सेवानिवृत्त) का नाम सुझाया, और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें विविध क्षेत्रों में सार्वजनिक नीति और विकास में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। गांधी ने अपने लिखित प्रतिवेदन में कहा, उनकी व्यापक विशेषज्ञता और प्रशासनिक कुशलता उन्हें सीआईसी की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त बनाती है।

भाजपा ने पंजाब के साथ धोखा किया : अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

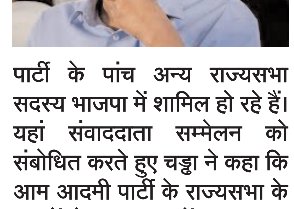

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के पार्टी छोड़ने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने एक बार फिर पंजाब की जनता के साथ धोखा किया है। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भाजपा ने एक बार फिर पंजाबियों के साथ धोखा किया है।''

इससे पहले दिन में, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को एलान किया कि वे और पार्टी के पांच अन्य राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो रहे हैं। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा के 10 में से सात सदस्यों का भाजपा में विलय होने वाला है। चड्ढा ने कहा कि भाजपा में शामिल होने वाले अन्य 'आप' राज्यसभा सदस्य - हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, स्वाति मालीवाल और अशोक मित्तल हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 85.14 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ और निर्वाचन आयोग द्वारा देर रात साढ़े 10 बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक कुल 85.14 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 5.73 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से 85.05 फीसदी यानी लगभग 4.82 करोड़ ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

इससे पहले, तमिलनाडु में 2011 के विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक 78.29 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था, जब अन्नाद्रमुक ने शानदार जीत हासिल की थी। इस बीच तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को शाम को समाप्त होने के साथ ही, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सीलबंद ईवीएम, वीवीपीएटी और अन्य चुनावी सामग्री को राज्य भर में नामित मतगणना केंद्रों के सुरक्षित कक्षों में स्थानांतरित कर दिया। तमिलनाडु विभानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विपक्षी दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) तथा तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के आसार जताए जा रहे हैं।

निर्वाचन अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा और कहीं से भी किसी बड़ी घटना की शिकायत नहीं मिली। द्रमुक और अन्नाद्रमुक, दोनों ने चुनावों में अपनी-अपनी जीत का भरोसा जताया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा, आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है। निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि आंकड़ों को अभी भी समेकित किया जा रहा है, ऐसे में अंतिम मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सकती है।

इस बीच, द्रमुक के सूत्रों ने कहा कि मतदाताओं की भागीदारी को अभूतपूर्व या ऐतिहासिक करार देने के लिए मतदान प्रतिशत 88 से 90 फीसदी के बीच होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु में 2001 से लेकर अब

तक हुए हर विधानसभा चुनाव में वोटों की संख्या में कम से कम 30 लाख की वृद्धि देखी गई है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे संपन्न हो गया तथा इस अवधि में 85.05 फीसदी यानी लगभग 4.87 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के करूर जिले में सबसे ज्यादा 91.86 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जबकि कन्याकुमारी में सबसे कम 75.50 प्रतिशत वोट पड़े। तमिलनाडु में 2021 के विधानसभा चुनावों में 73.63 प्रतिशत मतदान हुआ था और लगभग 4.59 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला था। वर्ष 2021 में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 6.29 करोड़ थी। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों में पिछले चुनावों की तुलना में लगभग 23 लाख अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु जीतेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, राज्यों के अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे संविधान के सर्वोच्च मूल्यों को बरकरार रखने वाला जनता का वोट तमिलनाडु की रक्षा के लिए एक ढाल है। अन्नाद्रमुक प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी सत्ता में वापसी करेगी।

वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नारायण तिरुपति ने ऐतिहासिक मतदान प्रतिशत का श्रेय एसआईआर की कवायद को दिया। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, निर्वाचन आयोग को सलाम। हमने बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में देखा है और अब तमिलनाडु में भी। इसलिए, उन्हें पूरा श्रेय जाता है। तमिलनाडु में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान राज्य में मतदाताओं की संख्या अक्टूबर 2025 में दर्ज 6.41 करोड़ से घटकर 5.73 करोड़ रह गई थी। वर्ष 2021 के चुनावों में लगभग 6.29 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। यह संख्या इस चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं से 56 लाख अधिक है। भीषण गर्मी के बावजूद लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे। राज्य में मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा। हालांकि, कुछ जगहों से चुनाव के बहिष्कार की खबरें आईं।

पुदुकोट्टई जिले के वेंगाइवयाल गांव के मतदाताओं ने कुछ साल पहले एक जलकुंड में मल मिलाए जाने की घटना के विरोध में मतदान का बहिष्कार किया। उन्होंने इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसी तरह, विलाथिकुलम विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले एट्टायपुरम में कुलथुवैपत्ती और कुमारगिरी गांवों के ग्रामीणों ने एक मार्ग के सार्वजनिक इस्तेमाल को लेकर श्रीलंकाई शरणार्थियों के साथ वर्षों से जारी विवाद को लेकर चुनाव का बहिष्कार किया। क्षेत्र में 983 मतदाता पंजीकृत थे, लेकिन वहां सिर्फ पांच वोट पड़े।

मदुरै और सेलम में कुछ मतदान केंद्रों पर द्रमुक और अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं के बीच छिटपुट झड़प की खबरें आईं। भाजपा नेता के अन्नामलाई और वनथी श्रीनिवासन ने द्रमुख पर मतदाताओं को पैसे बांटने का आरोप लगाया, जबकि चेन्नई के मायलापुर से पार्टी उम्मीदवार डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने सत्तारूढ़ पार्टी पर अपने उगते सूरज चुनाव चिन्ह को खुलेआम प्रदर्शित करके मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उधर, तिरुपत्तूर में टीवीके के एक समर्थक ने कथित तौर पर ईवीएम पर विजय की पार्टी के पक्ष में बटन दबाते हुए खुद का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर जारी कर दिया। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

केरल: मुंडाथिकोड में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के मुंडाथिकोडे स्थित पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में लाइसेंसधारी की झुलसने के कारण शुक्रवार को मौत हो जाने के बाद इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई।

पुलिस के अनुसार, 21 अप्रैल की घटना में 80 प्रतिशत से अधिक झुलसे मुंडाथिकोडे सतीश ने दोपहर में त्रिशूर मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। सतीश पिछले 14 वर्षों से त्रिशूर पुरम के आतिशबाजी कार्यक्रम से जुड़े हुए थे।

कॉलेज पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि सतीश मुंडाथिकोड स्थित आतिशबाजी निर्माण इकाई का लाइसेंसधारक था, जहां 21 अप्रैल की दोपहर को विस्फोट हुआ था। यह कारखाना 26 अप्रैल को होने वाले त्रिशूर पूरम उत्सव से पहले थिरुवंबडी देवस्वओम के लिए पटाखे बना रहा था। पुलिस ने बताया कि तीन अन्य घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। विस्फोट में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार लोगों का अब भी पता नहीं लग पाया है। घटना के समय कारखाने में करीब 38 लोग काम कर रहे थे। लापता लोगों की तलाश जारी है, क्योंकि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को चलाए गए तलाश अभियान के दौरान कई मानव अंग बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद अंगों की पहचान डीएनए परीक्षण के जरिए की जाएगी।

हादसे के बाद त्रिशूर पुम से जुड़े दोनों मंदिरों परमेकावु और थिरुवंबडी देवस्वओम ने उत्सव को सीमित रूप से मनाए जाने का निर्णय लिया है। धार्मिक अनुष्ठान पूर्ववत जारी रहेंगे।

माकपा नेता बालन ने पूर्व विधायक अनवर की तुलना गिरगिट से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता ए. के. बालन ने शुक्रवार को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से पूर्व विधायक पी. वी. अनवर को ''गिरगिट की तरह रंग बदलने वाला राजनीतिक प्राणी'' बताया।

बालन ने यह टिप्पणी अनवर के उस हालिया बयान के संदर्भ में दिया, जिसमें कहा गया था कि वामपंथी पार्टी के और भी नेता तृणमूल कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि एलडीएफ छोड़ने के बाद अनवर पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में गए और फिर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। माकपा नेता ने यहां एक टीवी चैनल से कहा, ''अब कौन जाने कि वह कहां जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि यह सब ''वाम मोर्चे को धोखा देने'' का परिणाम है। अनवर ने फिलहाल बालन की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बालन ने यह भी कहा कि एलडीएफ छोड़ने वाले लोग उस क्षेत्रीय संगठन में बने नहीं रह पाएंगे, जिसे अनवर बनाने की योजना बना रहे थे। अनवर ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के समर्थन से बेपोर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा। वह निलंबूर से एलडीएफ समर्थित निर्दलीय विधायक (2016 और 2021) थे। हालांकि, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ मतभेदों के बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन 2025 के उपचुनाव में वह जीत दर्ज नहीं कर सके।

चुनाव के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने पार्टी उम्मीदवारों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के तहत मतदान संपन्न होने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को द्रमुक उम्मीदवारों से मुलाकात की।

पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि स्टालिन ने यहां पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में चेन्नई, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के उम्मीदवारों के साथ 23 अप्रैल को हुए अभूतपूर्व मतदान के संबंध में बातचीत की। राज्य में 85.15 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

सूत्रों के अनुसार, द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन 25 अप्रैल को अपने परिवार के साथ कोडाइकनाल की संक्षिप्त यात्रा पर जा सकते हैं।

उन्होंने एक महीने तक चले चुनाव प्रचार के दौरान द्रमुक नीत गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए जमकर प्रचार किया। उनके बेटे और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि अपने परिवार के साथ कुछ दिन के लिए छुट्टी मनाने दुबई चले गए। इस बीच, अन्नाद्रमुक के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी सलेम जिले में अपने गृहनगर सिलुवमपलयम में हैं, जबकि भाजपा के प्रदेश प्रमुख नैनार नागेंद्रन अपने गृह जिले तिरुनेलवेली में हैं।

तमिलनाडु में चुनाव के बाद 'स्ट्रांग रूम' पर निगरानी रखेंगे राजनीतिक दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के तहत 23 अप्रैल को मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) तथा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) समेत राजनीतिक दलों ने 'स्ट्रांग रूम' पर 24 घंटे पाली के आधार पर निगरानी बनाए रखने का फैसला किया है। मतदान के बाद अब चार मई को होने वाली मतगणना तक के लिए निर्वाचन आयोग ने 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) को स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित कर दिया। हालांकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और तमिलनाडु विशेष पुलिस बलों समेत कई सुरक्षा प्रणालियां तैनात की गईं, फिर भी राजनीतिक दलों ने ईवीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को मुस्तैद किया है।

अन्नाद्रमुक के कानूनी मामलों के संयुक्त सचिव आर. एम. बाबू मुरुगावेल ने पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारे कार्यकर्ता पाली के आधार पर 24 घंटे उस परिसर में मौजूद रहेंगे जहां ईवीएम और वीवीपीएटी मशीन रखी गई हैं। उन्होंने बताया कि सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन निगरानी की जाएगी तथा चार मई को मतगणना शुरू होने तक 'स्ट्रांग रूम' का पहरा किया जाएगा।

चेन्नई के पल्लवरम निर्वाचन क्षेत्र में द्रमुक के वरिष्ठ पदाधिकारी जी. वेंकटेशन ने कहा, ''हमने ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले अपने कार्यकर्ताओं के लिए शुद्ध पेयजल तथा भोजन की आपूर्ति भी सुनिश्चित की है।'' उन्होंने कहा कि 'स्ट्रांग रूम' के पास ''ड्यूटी पर'' रहने वाले पार्टी के कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और चुनाव पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में आवश्यक दस्तावेज़ों तथा वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ 'स्ट्रांग रूम' को सील कर दिया गया है। राज्य के सभी 'स्ट्रांग रूम' में सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है, जबकि सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और इनकी 24 घंटे निगरानी की जाएगी। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के तहत 234 सीट के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ।

तमिलनाडु में व्यक्ति ने दरांती से मां-बेटे पर किया हमला, बेटे की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के सलेम में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 12 वर्षीय लड़के की दरांती से हत्या कर दी और उसकी मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हमलावर ने भी बाद में आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, यह हमला बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे ओमालूर के पास करुथनूर में हुआ। मृतक लड़के की पहचान आर किशनथ और उसकी घायल मां की पहचान सत्या (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शक्तिवेल (38) उस इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान का प्रबंधन करता था, जहां सत्या काम करती थी। पुलिस के अनुसार, सत्या अपने पति से अलग रहती थी और पहले वह शक्तिवेल के साथ रिश्ते में थी। हालांकि, दोनों के बीच गलतफहमी के कारण अनबन हो गई थी और तीन महीने पहले उन्होंने एक-दूसरे से बातचीत करनी बंद कर दी थी। उसने बताया कि बृहस्पतिवार रात शक्तिवेल ने सत्या के घर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया, दरवाजा खोलते ही आरोपी ने सत्या और उसके बेटे पर दरांती से हमला कर दिया जिससे लड़के की मौके हो गई। सत्या की 13 वर्षीय बेटी अपनी नानी के घर होने के कारण हमले का शिकार होने से बच गई। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने शक्तिवेल को भागने पर मजबूर कर दिया और सत्या को सलेम सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां सत्या की हालत स्थिर बताई जा रही है। ओमालूर पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को शक्तिवेल वेल्लालपत्ती स्थित अपने आवास के पास एक खेत में मृत मिला। उसने बताया कि आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। करुप्पुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

अधिक मतदान राज्य में सरकार बदलने का संकेत है : पीएमके नेता अंबुमणि रामदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 85 प्रतिशत से अधिक मतदान का हवाला देते हुए पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने शुक्रवार को दावा किया कि यह राज्य में सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा। अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पीएमके, अन्नाद्रमुक नीत राजग में सहयोगी दल है और उसने 18 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ा था।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, 234 सीट पर हुए चुनाव में राज्य में 85.15 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक है। अंबुमणि ने एक बयान में कहा, हर कोई साफ समझ सकता है कि ये वोट सरकार बदलने के लिए हैं। तमिलनाडु की जनता इसी फैसले का इंतजार कर रही थी। यह जनादेश राज्य को खराब शासन से मुक्ति दिलाएगा।

उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाला समय तमिलनाडु के लोगों के लिए खुशियां लाएगा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और सभी को शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य का दौरा करने और लोगों से मिलने के दौरान उन्हें जनता में नाराजगी का एहसास हुआ, जो चुनाव में रिकॉर्ड मतदान के रूप में सामने आया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोग हमेशा लोकतंत्र का सम्मान करने वाले और शांतिपूर्ण परिवर्तन के समर्थक रहे हैं और उन्होंने एक बार फिर इसे साबित किया है।

अंबुमणि रामदास ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने, मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रोजगार के अवसर सृजित करने जैसे बुनियादी कर्तव्यों को निभाने में विफल रही है।

इस बार चुनाव में सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए : टीवीके प्रमुख विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में 23 अप्रैल 2026 को एक ऐतिहासिक दिन दर्ज हो गया। पूरे राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ और इस बार मतदाताओं की भागीदारी ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। लगभग 85 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले, जो तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे ऊंचा मतदान प्रतिशत है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर इस उपलब्धि पर गहरी खुशी और कृतज्ञता व्यक्त की है।

उन्होंने लिखा कि राजनीति अब केवल कुछ अनुभवी लोगों या पद का आनंद लेने वालों तक सीमित नहीं रही। आम लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं ने राजनीति को अपनी मुट्ठी में ले लिया है। जो लोग पहले राजनीति को कुछ खास लोगों की सीमा में कैद करके रखते थे, उनकी सारी गणनाएं आम जनता ने चकनाचूर कर दी हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्य एक-एक करके, छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंचे। मतदान केंद्रों पर मंदिरों जैसी भारी भीड़ देखी गई। कई लोग दूसरे राज्यों और यहां तक कि विदेशों से भी भारी खर्च करके सिर्फ वोट डालने के लिए आए। यह देखकर हर कोई हैरान रह गया। पार्टी ने इन्हें सच्चे लोकतंत्र प्रेमी बताया और उनके सम्मान में हाथ जोड़कर नमस्कार किया। वहीं, बयान में आगे कहा गया कि 23 अप्रैल को चुनाव का 'त्योहार' या 'लोकतांत्रिक उत्सव' का असली मतलब समझ आया। यह तो बस शुरुआत है। तमिलनाडु के लोगों ने मिलकर तमिल चुनावी राजनीति को नई परिभाषा दी है। उन्होंने अपने परिवार की ओर से पूरा आभार जताया। पार्टी प्रमुख विजय ने अपने सबसे छोटे और प्यारे साथी (बेस्टि) को विशेष नमस्कार किया और उसे 'विजय मामा' कहकर संबोधित किया, जिन्होंने परिवार के सदस्यों का मार्गदर्शन किया। टीवीके प्रमुख ने मतदान केंद्रों के एजेंटों, पार्टी के साथियों (कॉमरेड्स) और सभी स्तर के प्रशासकों को भी हार्दिक धन्यवाद दिया। जिन लोगों ने पहले मजाक उड़ाया था कि तुम्हें राजनीति की क्या समझ है या तुम कैसे टिक पाओगे, उनको पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने काम से जबरदस्त जवाब दिया है। परिवार के उन सदस्यों को भी शुक्रिया कहा गया, जिन्होंने पार्टी के साथियों को मजबूत सहारा दिया।

विजय ने सभी से अपील की है कि आशावान बने रहें। सिर्फ अच्छा ही होगा और जीत निश्चित है। पार्टी का मानना है कि इस रिकॉर्ड मतदान ने तमिलनाडु की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। युवा और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भविष्य के लिए बहुत आशा भरा संकेत है।

केरल में पराबैंगनी विकिरण का उच्च स्तर दर्ज, लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का उच्च स्तर दर्ज किया गया है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्राधिकरण द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पथनमथिट्टा के कोन्नी, अलप्पुझा के चेंगन्नूर, कोट्टायम के चंगनाशेरी और इडुक्की के मुन्नार में पराबैंगनी विकिरण का स्तर आठ से ऊपर दर्ज किया गया, जिसकी वजह से 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। इसके अलावा, राज्य भर में 10 स्थानों पर इसका स्तर छह और सात के बीच दर्ज किया गया, जो 'येलो अलर्ट' के दायरे में आता है। प्राधिकरण ने कहा कि लंबे समय तक पराबैंगनी किरणों के संपर्क में रहने से 'सनबर्न' (त्वचा जलना), त्वचा रोग, आंखों पर प्रभाव पड़ने सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

प्राधिकरण के परामर्श के अनुसार, विकिरण का उच्चतम स्तर आमतौर पर सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे के बीच दर्ज किया जाता है जिससे इस समयसीमा के दौरान लोगों को धूप से सीधे संपर्क में आने से बचने का आग्रह किया गया है। परामर्श में धूप से सीधे संपर्क में आने वाले लोगों से तथा त्वचा की समस्याओं, एल्बिनिज्म, आंखों की बीमारियों, कैंसर और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली से पीड़ित व्यक्तियों से अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। प्राधिकरण ने जनता को सलाह दी कि वे टोपी, छाता और धूप के चश्मे जैसे सुरक्षात्मक उपायों का उपयोग करें और दिन के समय बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले सूती कपड़े पहनें।

प्राधिकरण ने कहा कि आमतौर पर ऊंचाई वाले और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पराबैंगनी का स्तर अधिक होता है। साथ ही साफ आसमान वाले दिनों में भी यह उच्च रह सकता है। इसमें कहा गया कि प्राधिकरण द्वारा स्थापित 14 निगरानी केंद्रों से प्राप्त वास्तविक समय के पराबैंगनी सूचकांक डेटा ऑनलाइन उपलब्ध है। इस बीच, त्रिशूर और पलक्कड़ जिलों में बढ़ते तापमान को देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दोनों जिलों के लिए ऊष्म लहर की चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया कि चेतावनी प्रणाली के हिस्से के रूप में शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे के बाद त्रिशूर और पलक्कड़ तथा उन अन्य जिलों में सायरन बजाए गए जहां तापमान बढ़ रहा है।

पत्नी और मां की हत्या के बाद व्यक्ति ने बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

तिरुपति। तिरुपति जिले में एक व्यक्ति ने पत्नी और मां की कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में अपने दो बच्चों संग ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान वेंकटकृष्णपलेम गांव के निवासी मोहन (37), उनकी पत्नी हरिता (35), मां चंद्रकला (65) और दो नाबालिग बच्चों के रूप में हुई है। पुत्तूर के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जी. रवि कुमार ने बताया, मोहन ने 22 अप्रैल को तिरुपति जिले में पहले पत्नी और मां की हत्या की तथा बाद में अपने बच्चों संग चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। उन्होंने कहा, ''अभी तक कोई स्पष्ट मकसद सामने नहीं आया है, इसलिए हम हर पहलू की जांच कर रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है कि मोहन किसी मानसिक समस्या से तो नहीं जूझ रहा था।'' प्रारंभिक जांच के अनुसार, मोहन ने अपने घर में साड़ी से पत्नी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या की और बाद में इसी तरह अपनी मां को भी मार डाला।

स्वर्णिम भारत के लिए सब मिलकर प्रयास करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि स्वर्णिम भारत के लिए सबको मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने अच्छी मन:स्थिति के साथ देश और समाज के समग्र विकास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उपाधियों की सार्थकता यही है कि हम राष्ट्र को सर्वोच्च रखते हुए अपने सभी कार्य करें।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का नया आरम्भ है। प्राचीनकाल में गुरुकुल में गुरु शिष्य को आदर्श आचरण के लिए प्रेरित करने हेतु अंतिम शिक्षा देते थे, इसे समावर्तन संस्कार कहते थे। यही आज का दीक्षांत समारोह है। उन्होंने मैकाले द्वारा देश पर लादी गई अंग्रेजी शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि इसने हमें अपने इतिहास से विलग कर दिया। नई शिक्षा नीति 2020 भारत के महान गौरव से हमें जोड़ने वाली है।

राज्यपाल बागड़े शुक्रवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा समस्त अभ्यर्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलाइज करने के प्रयासों के अंतर्गत पोर्टल पर डिग्रियों को अपलोड करने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार के डिजिटल अभियान की सराहना की। बागड़े ने देश की नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता के गौरव से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य का ज्ञान दिया। शून्य के ज्ञान से ही विश्व को गिनती आई। उन्होंने खगोल विज्ञान में भारत की देन की चर्चा करते हुए कहा कि भास्कराचार्य ने 1150 में बताया था कि पृथ्वी गोल है। गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत को उन्होंने ही प्रतिपादित किया, जिसे बाद में न्यूटन का बताया गया। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल ने सातवीं शताब्दी में अरबों को खदेड़ा था। उन्हीं के नाम से पाकिस्तान का रावलपिंडी शहर बसा हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख गुरुकुल थे। अंग्रेजों ने इन्हें नष्ट करने का काम किया। वह नहीं चाहते थे कि भारतीय दृष्टिकोण की शिक्षा विकसित हो, इसलिए देश में गुलाम मानसिकता देने वाली शिक्षा पद्धति विकसित की। अंग्रेजों ने देश के घरेलू उद्योग बंद कर दिए ताकि देश के नागरिकों को भूखा मरने दिया जाए ताकि वे हमेशा के लिए गुलाम बने रहे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में इसलिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है कि हम अपने साधनों से आत्मनिर्भर भारत का विकास कर सकें।

इससे पहले उन्होंने युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश से नशे का व्यापार किया जाता है। पड़ोसी राष्ट्र नहीं चाहता भारत युवा देश बना रहे। नशा व्यक्ति को उम्र से पहले बूढ़ा बना देता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को एम्स की तर्ज पर देश का सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश को मेडिकल टूरिज्म के रूप में भी विकसित करने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए हो रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। देश के सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. विकास महात्मे ने दीक्षांत व्याख्यान दिया। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के साथ जीवन से जुड़ी व्यावहारिकता के अंतर्गत कौशल विकास को महत्वपूर्ण बताया। कुलगुरु प्रो. प्रमोद येवले ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों और शैक्षिक उन्नयन के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

गहलोत ने स्थानीय निकाय चुनाव में देरी के लिए सरकार की आलोचना की

जयपुर /दक्षिण भारत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के अवसर पर नागरिकों को बधाई दी। साथ ही, स्थानीय निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर राजस्थान सरकार की कड़ी आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने लिखा, राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। राजस्थान के ऐतिहासिक नेतृत्व को याद करते हुए गहलोत ने कहा, एक वक्त था जब राजस्थान पंचायतीराज व्यवस्था के माध्यम से पूरे देश के लिए मिसाल बना था। नागौर से पंडित नेहरू द्वारा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की ऐतिहासिक नींव रखी गई थी लेकिन वर्तमान में भाजपा ने पंचायतीराज चुनाव न करवाकर लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण कड़ी को कमजोर किया गया है।

उन्होंने कहा कि एक प्रकार से ग्रामीणों का विकास में भागीदारी का अधिकार इस सरकार ने छीन लिया है। यह कदम महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने के भी विपरीत है और लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है।गहलोत ने कहा कि पंचायत एवं निकाय चुनावों की मांग को लेकर राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन आज सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन, स्वराज संवाद, हस्ताक्षर अभियान तथा पदयात्राएं निकाल रहा है।जनभागीदारी की अपील करते हुए, गहलोत ने नागरिकों से इस आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया।उन्होंने कहा, हम सभी से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और लोकतंत्र को मजबूत करें। यह सामूहिक आवाज, लोकतंत्र-विरोधी भाजपा सरकार को इन महत्वपूर्ण चुनावों को कराने के लिए विवश कर देगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, समस्त प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर हम अपनी पंचायतों को अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और डिजिटल बनाने का संकल्प लें, ताकि ग्रामीण भारत के विकास से स्वर्णिम राष्ट्र का निर्माण हो सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव ने हेल्पलाइन केंद्र पर परखी जनसुनवाई की गुणवत्ता

जयपुर/दक्षिण भारत। शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायती राज (महिला एवं बाल विकास) विभाग, श्रीमती पूनम ने शुक्रवार को सूचना केंद्र स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की। शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान न केवल डैशबोर्ड के आंकड़ों का विश्लेषण किया, बल्कि विभिन्न जिलों से प्राप्त शिकायतों का गहन अध्ययन कर उनके तत्काल समाधान के निर्देश भी दिए। श्रीमती पूनम ने अधिकारियों को शिकायत निस्तारण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने इस दौरान सब्जेक्ट रिवीजन, लेवल मैपिंग एवं कैटेगरी निर्धारण की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।

साथ ही यह भी निर्देशित किया कि निर्धारित प्रकरणों में काउंसलिंग के उपरांत आवश्यकतानुसार लीगल एक्शन हेतु संबंधित विभाग को स्वतः एस्केलेशन किया जाए, ताकि मामलों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि घरेलू हिंसा के प्रत्येक परिवाद में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ व्यवहार किया जाए।

महिला आरक्षण रोकने वालों को सबक सिखाएगी नारी शक्ति : सुमन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर शुक्रवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा ने विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने ओछी राजनीति के चलते करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और अरमानों पर पानी फेर दिया है, जिसका जवाब आने वाले समय में देश की माताएं-बहनें देंगी। सुमन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस, सपा और टीएमसी जैसी पार्टियां परिवारवाद के जाल में फंसी हैं। उन्हें डर था कि अगर साधारण परिवारों की महिलाएं सत्ता में आईं, तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। उन्होंने प्रियंका गांधी और डिंपल यादव जैसी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी सोच केवल अपने परिवार तक सीमित है।

सुमन शर्मा ने कहा, विधेयक रुकने के बाद विपक्ष का जश्न मनाना शर्मनाक था, जो उनके महिला विरोधी चेहरे को उजागर करता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देना चाहते हैं, लेकिन इंडी गठबंधन ने ओबीसी, परिसीमन और दक्षिण भारत के नाम पर केवल भ्रम फैलाने का काम किया है। अब भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं को विपक्ष की इस असलियत से रूबरू कराएंगी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री मूर्ति मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को केवल 'साइलेंट वोटर' समझा है। उन्होंने पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बदलकर मुस्लिम बहनों के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाई थी।

भीषण गर्मी का दौर जारी, अनेक जगह लू की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में गंगानगर में अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर ने शुक्रवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में कुछ जगहों पर ऊष्ण लहर और ऊष्ण रात्रि दर्ज होने के साथ ही मौसम शुष्क रहा। राज्य के अधिकतर भागों में इस समय अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री है जो इस मौसम के औसत तापमान के आसपास है।

इसके अनुसार, राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में अधिकतम तापमान में और 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने तथा आगामी 2-3 दिन पश्चिमी व उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं लू (हीटवेव) चलने की संभावना है।

इस दौरान राज्य के उत्तर पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इसी तरह आगामी दिनों में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 25 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों तथा तथा 26 से 28 अप्रैल को पश्चिमी व उत्तरी भागों में दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ धूलभरी आंधी चल सकती है। साथ ही हल्की बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना भी है।

अनुशासन और मुस्तैदी से बनती है पुलिस की पहचान : डीजीपी शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस की असली पहचान अनुशासन और मुस्तैदी से ही बनती है। वह यहां पांचवीं बटालियन आरएसी परिसर में अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया और बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए अनुशासन और तैयारी के महत्व पर विशेष बल दिया। शर्मा ने कहा कि पुलिस की पहचान उसके अनुशासन और चुस्ती-फुर्ती से होती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी चाहे किसी निवास की सुरक्षा की हो, जेल की हो या कानून-व्यवस्था की, जवानों की तैयारी में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जवानों को सीख दी, वर्दी पहनने के ढंग से लेकर मौके पर पहुंचते ही चुस्ती के साथ कतारबद्ध होने तक, हर हरकत में पेशेवर दक्षता नजर आनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि कानून-व्यवस्था की ड्यूटी के दौरान उपकरणों के सही इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

महानिदेशक ने आह्वान किया कि जहां भी सीखने में कमी रह गई है, उसे निरंतर अभ्यास और समर्पण से पूरा करें ताकि राजस्थान पुलिस हर मोर्चे पर बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर सके। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। कुल 49 कार्मिकों को 'डीजीपी डिस्क' और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

विधानसभा परिसर में बम होने की सूचना अफवाह निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस ने विधानसभा परिसर की गहन तलाशी ली लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब राजस्थान विधानसभा परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार विधानसभा के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए धमकी भरे ईमेल में दोपहर के समय आत्मघाती हमले की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में दावा किया गया था कि विस्फोटक बेल्ट पहने दो हमलावर यह धमाका करेंगे।

ज्योति नगर की थाना प्रभारी संतरा मीणा ने बताया कि पुलिस की टीम, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते के साथ मौके पर पहुंची और विधानसभा परिसर की व्यापक तलाशी ली।

अधिकारी ने कहा, तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि 13 अप्रैल को भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था जो बाद में अफवाह निकला।

पुलिस ने बताया कि हाल के हफ्तों में जयपुर में विभिन्न स्थानों के लिए ऐसे कई धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इनमें अदालतें, सवाई मानसिंह स्टेडियम, मुख्यमंत्री कार्यालय, पासपोर्ट कार्यालय, डाकघर, और कुछ निजी स्कूल व अस्पताल जैसी जगह शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अधिकारी ईमेल के स्रोत की जांच कर रहे हैं और समूचे जयपुर में संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

ऑनलाइन गेमिंग के अलावा कोई बुरी आदत नहीं थी : राहुल मीणा के परिजन का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक आईआरएस अधिकारी की बेटी से दुष्कर्म व हत्या के आरोपी राहुल मीणा के परिवार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के अलावा राहुल को कोई बुरी आदत नहीं थी। पुलिस के अनुसार, राजस्थान के अलवर जिले के निवासी मीणा पर 21 अप्रैल की रात अलवर में एक विवाहिता से दुष्कर्म करने और उसके कुछ घंटों बाद दिल्ली में आईआरएस अधिकारी की बेटी से दुष्कर्म व हत्या करने का आरोप है।

अलवर में पत्रकारों से बातचीत में मीणा की मां ने कहा कि उनके 23 वर्षीय बेटे का व्यवहार अच्छा रहा है और 21 अप्रैल की रात उनकी अपने बेटे से आखिरी बार बात हुई थी, जिसके बाद वह एक शादी में शामिल होने के लिए घर से निकला था। उन्होंने कहा, उस रात मेरी उससे बात हुई थी, लेकिन उसके बाद हमारा उससे कोई संपर्क नहीं हो सका। अगले दिन पुलिस आई और हमें घटना की जानकारी दी।

दुष्कर्म के आरोपों को खारिज करते हुए परिवार ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के अलावा उसकी कोई बुरी आदत नहीं थी। मीणा के एक अन्य रिश्तेदार ने कहा कि राहुल पढ़ाई में बहुत अच्छा था और स्नातक में उसने अच्छे अंक हासिल किए थे। अलवर के राजगढ़ में एक विवाहिता से दुष्कर्म के आरोपों को नकारते हुए मीणा की बहन ने इसे पूरी तरह निराधार बताया। उसने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा एक आर्थिक विवाद इस आरोप का कारण हो सकता है और यही विवाद दिल्ली में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के आवास पर उसके जाने की वजह भी रहा होगा।

उसने आरोप लगाया कि मीणा और राजगढ़ की कथित दुष्कर्म पीड़िता के पति को ऑनलाइन गेम में क्रमश: पांच लाख रुपये और 90,000 रुपये का नुकसान हुआ था, जिससे उन पर कर्ज बढ़ता गया और रकम चुकाने का दबाव बढ़ गया। मीणा की बहन ने कहा, वह रुपये लेने गया होगा क्योंकि उस पर दबाव बनाया जा रहा था।

उसने यह भी बताया कि मीणा ने 20,000 रुपये के लिए अपना मोबाइल फोन तक गिरवी रख दिया था। आरोपी की बहन ने कहा कि अगर राहुल मीणा ने कुछ गलत किया है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। इस बीच, ग्रामीणों का कहना है कि मीणा स्वभाव से शांत व्यक्ति था और उसने 2023 में प्रथम श्रेणी से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी, लेकिन इसके बाद उसे ऑनलाइन जुए की लत लग गई।

घनिष्ठ शर्मा : एक उभरता हुआ बाल चित्रकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीमाधोपुर। कस्बे के नांगलका जोशी मोहल्ले के गोपाल जोशी का पुत्र घनिष्ठ शर्मा अपनी तुलिका से भगवान श्रीराम के विभिन्न रूपों में चित्र बना रहा है। एक बच्चा जो भगवान के चित्र बना रहा है, वह अपनी रुचि और भक्ति दिखा रहा है।भगवान के चित्र बनाना, बच्चों को उनकी रचनात्मकता, कल्पना और ईश्वर के प्रति विश्वास को विकसित करने में मदद करता है। यह उन्हें धार्मिक कहानियों से जुड़ने और अपनी धार्मिक भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका भी प्रदान करता है। कोरोना संकट के समय जब स्कूल बंद थी उस समय घनिष्ठ शर्मा में यह अभिरुचि पैदा हुई। अब तक 155 से ऊपर चित्र बना चुके बालक घनिष्ठ शर्मा स्थानीय महात्मा गांधी स्कूल कक्षा 8 में अध्ययनरत हैं।

घनिष्ठ ने भगवान श्रीराम मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम से प्रेरित होकर भगवान श्रीराम व सीता के चित्र बनाए। वे दुर्गा नवमी पर दुर्गा माता के चित्र बनाते हैं तो गुरु नानक जयंती पर नानक देव का चित्र बनाते हैं। घनिष्ठ शर्मा को उपखंड व शेखावाटी स्तर पर भी सम्मानित किया जा चुका है। इस बाल चित्रकार के चित्रण के विषय उनके अपने अनुभव, उनकी रचनात्मकता और उनके आसपास की दुनिया से प्रेरित होते हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान घनिष्ठ शर्मा ने भी मतदान करने को लेकर चित्र बनाकर आम जनता को मतदान करने के लिए प्रेरित किया था। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले घनिष्ठ पिछले पांच वर्षो से प्राकृतिक दृश्य, पर्यावरण के समक्ष चुनौतियां के साथ दुर्गा के नव अवतार लक्ष्मी, सरस्वती के चित्र बनाकर लोगों को पर्यावरण, अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। घनिष्ठ राजस्थान की किशनगढ़ की प्रसिद्ध बणी ठणी शैली, मधुबनी कला के साथ साथ कार्डबोर्ड और कपड़े पर भी चित्रकारी करते हैं। वे चित्र में ब्राइटनेस (चमक), कॉन्ट्रास्ट (विपरीतता) और कलर बैलेंस (रंग संतुलन) को सुधारकर चित्र को जीवंत बनाते हैं। इससे कलाकृति का भाव, मूड और दृश्य प्रभाव और भी गहरा हो जाता है। यह चित्र की स्पष्टता और भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाता है, सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि घनिष्ठ शर्मा की यह कृति नकल नहीं, अनुभव की अभिव्यक्ति है। यहाँ अनुपात, यथार्थ या सौंदर्य की पारंपरिक कसौटी गौण हो जाती है। प्रमुख हो उठती है भावनात्मक सचाई और लगन। यह पेंटिंग दर्शक को यह याद दिलाती है कि कला का मूल स्रोत मन की स्वतंत्रता है। बाल कलाकार उसी स्वतंत्रता का सबसे शुद्ध वाहक होता है।

लोक पर्व बिहू

बणी-ठणी

कुल मिलाकर, घनिष्ठ शर्मा की यह रचना बाल कला की उस संभावनाशील दिशा की ओर संकेत करती है, जहाँ कल्पना ही सबसे बड़ा सौंदर्य है और संवेदना ही सबसे सशक्त भाषा, जिससे दर्शक को चित्र का भाव और जानकारी बेहतर समझ में आती है। यह पेंटिंग दर्शक को यह याद दिलाती है कि कला का मूल स्रोत मन की स्वतंत्रता है, और बाल कलाकार उसी स्वतंत्रता का सबसे शुद्ध वाहक होता है। बाल सुलभ चित्रों आनन्द लें, अपने बाल कलाकारों को खुला आसमान दें ताकि वे भी कल्पना की उड़ान देवें।

* विनय त्रिवेदी

प. बंगाल में 'परिवर्तन की लहर' पहले चरण के मतदान में स्पष्ट दिखी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में ''परिवर्तन की लहर'' स्पष्ट रूप से दिखाई दी और यह तृणमूल कांग्रेस के महा जंगलराज के अंत का संकेत है।

उत्तर 24 परगना जिले के दमदम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानीहाटी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारी मतदान का मतलब भाजपा का समर्थन बढ़ना और तृणमूल की तानाशाही को नकारा जाना है। पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में 3.60 करोड़ मतदाताओं में से करीब 92 प्रतिशत ने मतदान किया। मोदी ने कहा, ''बंगाल में लंबे समय से जो बदलाव की लहर दिखाई दे रही थी, कल के पहले चरण के मतदान ने उस पर मुहर लगा दी है। कल भाजपा के पक्ष में मिले समर्थन ने उसकी जीत का शंखनाद कर दिया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, '' बंगाल में जहां तृणमूल ने तानाशाही से लोकतंत्र के मंदिर को ध्वस्त कर दिया था, वहां के लोगों ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू कर दिया है। अब दूसरे चरण में आपको इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है।'' उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान के बाद तृणमूल ''बेहद घबराई हुई'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने रातों-रात अपने गुंडों को सक्रिय कर दिया था ताकि मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया जा सके। मोदी ने कहा, कल के पहले चरण के मतदान ने टीएमसी के 'जंगल राज' के शासन का अंत सुनिश्चित कर दिया है। चार मई को, जब नतीजे घोषित होंगे, तब टीएमसी गुंडों के लिए छिपने की कोई जगह नहीं होगी। कोई भी उन्हें बचा नहीं पाएगा। बंगाल कह रहा है 'पल्टानो दोरकार, चाय भाजपा सरकार' (बदलाव की जरूरत है, भाजपा की सरकार चाहिए)। मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल को नई क्रांति की जरूरत है, जो इस बार वोट के जरिए आएगी। उन्होंने कहा, यह क्रांति की भूमि है, यह वीरों की भूमि है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने राष्ट्र से गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का आह्वान किया था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। अब बंगाल में एक नई क्रांति का समय है। यह क्रांति आपके एक वोट से आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल को भय से आज़ादी, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज, महिलाओं पर अत्याचार, बेरोज़गारी, मजबूरी में पलायन और घुसपैठियों के कब्जे से मुक्त कराने का वादा करती है। उन्होंने कहा, बंगाल का गौरव फिर से बहाल करने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए यह आज़ादी बेहद जरूरी है।

झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत नौ करोड़ रुपए वितरित किए

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को रांची में पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत नौ करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की। अधिकारियों ने बताया कि टाना भगत स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पंचायत स्तर के प्रतिनिधियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार राशि वितरित की गई।

सोरेन ने कहा, ''आपको इस योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने के लिए पुरस्कृत किया गया है। यह हमारी सरकार की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है कि जो लोग अच्छा प्रदर्शन करते हैं, उन्हें निश्चित रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। जिलों और पंचायतों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को भी पुरस्कृत किया गया है।'' सोरेन ने यह भी कहा कि एक समय ऐसा था जब न तो सरकार की आवाज और न ही उसकी योजनाओं का लाभ दूरदराज के इलाकों तक पहुंचता था, लेकिन वह दौर अब समाप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि राज्य का विकास तभी होगा जब हमारे गांव मजबूत होंगे।'' उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी व्यक्ति बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित न रह जाए।

राघव चड्ढा, अशोक मित्तल समेत आप के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ी, भाजपा में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को तब बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित इसके सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने पाठक और मित्तल के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों में से दो-तिहाई ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे।

चड्ढा ने कहा कि पार्टी सांसद हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल भी आप छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिक मूल्यों से पूरी तरह भटक गई है।'' हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, ''राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक सांसद इस पहल में हमारे साथ हैं।''

चड्ढा ने कहा, ''उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और आज सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों एवं अन्य औपचारिक दस्तावेज सहित सभी आवश्यक कागजात सौंप दिए हैं।''

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने ही फायदे के लिए काम कर रही है।

मोदी बंगाल के पर्यटन के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं : अभिषेक बनर्जी

हावड़ा/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के गंगा घाटों, सड़कों और 'स्ट्रीट फूड' का प्रदर्शन करके वह अनजाने में पश्चिम बंगाल पर्यटन के ''सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर'' बन गए हैं। हावड़ा जिले के जगतबल्लभपुर और दोमजुर विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मोदी की सार्वजनिक उपस्थिति ने राज्य पर्यटन को बढ़ावा देने में आधिकारिक पर्यटन अभियानों से कहीं अधिक योगदान दिया है, जिसमें झाड़ग्राम में फुटपाथ पर झालमुड़ी खाना और गंगा के किनारे टहलना शामिल है।

धर्मेंद्र प्रधान ने मतदान प्रतिशत को लेकर डेरेक ओ'ब्रायन पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार कम मतदान होने के दावे को लेकर शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह 'चुनिंदा गणित' है।

प्रधान ने 'एक्स' पर ओ'ब्रायन के बयान का जवाब देते हुए कहा, 'आपका चुनिंदा गणित गणना केवल उसी बात को पुष्ट करता है जिसे आप नकारने की कोशिश कर रहे हैं।'' प्रधान ने कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि दोहराव एवं संदिग्ध नामों को हटाने के बाद 'अधिक स्वच्छ और विश्वसनीय' मतदाता सूची को दर्शाती है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''जब अवैध घुसपैठियों, दोहराव वाली प्रविष्टियों और संदिग्ध नामों को मतदाता सूचियों से हटा दिया जाता है, तो (मतदान) प्रतिशत स्वाभाविक रूप से एक स्वच्छ मतदाता आधार को दर्शाता है।'' इससे पहले दिन में, ओ'ब्रायन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले चरण में उच्च मतदान के बारे में 'फर्जी विमर्श' गढ़ने का आरोप लगाया था और कहा था कि 2026 में डाले गए कुल वोट वास्तव में 2021 की तुलना में कम थे।

शाह द्वारा शुक्रवार को कोलकाता में प्रेस वार्ता किए जाने के बाद, ओ'ब्रायन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बृहस्पतिवार को पहले चरण में जिन 152 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, वहां 2021 में मतदाताओं की कुल संख्या 3.67 करोड़ थी, जबकि कुल डाले गए वोट 3.10 करोड़ थे, यानि लगभग 84 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दावे का खंडन करते हुए प्रधान ने कहा कि उच्च भागीदारी इस बात का संकेत है कि लोग ''डर और राजनीतिक धमकियों के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी'' को चुन रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वास्तव में महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सुधार के बाद भी तीन करोड़ से अधिक नागरिकों ने मतदान किया है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि पश्चिम बंगाल के लोग डर और राजनीतिक धमकियों के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी को चुन रहे हैं।'' प्रधान ने कहा, '' यह देखना राजनीतिक रूप से शर्मसार करने वाला है कि पश्चिम बंगाल में वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों के बजाय आप हटाये गए नामों का अधिक दृढ़ता से बचाव कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि पारदर्शी मतदाता सूची से तृणमूल कांग्रेस इतनी व्यथित क्यों दिख रही है?''

भाजपा सरकार 'अलोकतांत्रिक और अमानवीय': अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार ''अलोकतांत्रिक और अमानवीय'' है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े कई मामलों में न्याय दिलाने में विफल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि गाजीपुर, हाथरस और हरदोई जैसे जिलों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन पीड़ितों के परिवारों से मिलने जा रहे सपा के प्रतिनिधिमंडलों को निशाना बना रहा है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रहा है। यादव ने कहा कि हाशिए पर पड़े समुदायों को न्याय दिलाने और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा करने की 'बड़ी जिम्मेदारी' सपा और उसके कार्यकर्ताओं पर है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार, चरम पर है। राजधानी लखनऊ में भाजपा भूमाफिया बनकर काम कर रही हैं, कोई भी योजना आने के पहले भाजपा से जुड़े लोग पहले ही जमीनें अधिग्रहित कर लेते हैं। लखनऊ के सभी तालाबों पर कब्जा हो गया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। उत्तर प्रदेश में गुंडे और माफिया खुलेआम घूम रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया कि इनके खिलाफ कब कार्रवाई होगी। यादव ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उसे ''अलोकतांत्रिक और अमानवीय'' तथा ''जन-विरोधी'' करार दिया। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि लखनऊ में 'ग्रीन कॉरिडोर' पर लगभग 7,000 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद, यातायात जाम की समस्या बनी हुई है।

प्रयोगशाला से खेत तक प्रौद्योगिकी पहुंचने से उत्तर प्रदेश की कृषि वृद्धि 18% पर : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की कृषि वृद्धि दर लगभग आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है, जिसका श्रेय वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच बेहतर समन्वय और प्रयोगशाला से खेत तक प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को जाता है। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''सरकार की 'लैब टू लैंड' पहल के तहत विकसित तकनीकों और शोध को प्रभावी तरीके से खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे उत्पादकता में सुधार हुआ है।''

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश सिंह और नौ राज्यों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब 2017 में उनकी सरकार बनी थी, तब कई कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) निष्क्रिय स्थिति में थे, लेकिन अब वे नवाचार और किसानों तक प्रौद्योगिकी पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से राज्य के नौ कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप क्षेत्र विशेष की खेती को बढ़ावा दिया गया है। वैज्ञानिकों और किसानों के बीच नियमित संवाद, खेतों में प्रदर्शन और निरंतर मार्गदर्शन से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में धान की पैदावार 50-60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 100 क्विंटल तक पहुंच गई है। बेहतर सिंचाई, बिजली आपूर्ति और संपर्क सुविधाओं के कारण कई जिलों में किसान साल में एक या दो फसल के बजाय तीन फसलें उगा रहे हैं, जिससे आय में वृद्धि हुई है। गेहूं का उत्पादन लगभग 425 लाख टन, चावल का 211 लाख टन और आलू का 245 लाख टन तक पहुंच गया है। तिलहन उत्पादन करीब 48 लाख टन है, जबकि सब्जियों, दलहन और मोटे अनाज की उपज में भी वृद्धि दर्ज की गई है। योगी ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे मिट्टी की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर भी बल दिया।

बीज, कीटनाशक से जुड़े कानून लगभग तैयार, संसद के अगले सत्र में पेश होने की संभावना : चौहान

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि बीज और कीटनाशक से जुड़े नए कानून लगभग तैयार हैं और उन्हें संसद के अगले सत्र में पारित कराने के लिए पेश किया जा सकता है। चौहान ने यहां आयोजित उत्तरी राज्यों के क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित 'बीज अधिनियम' और 'कीटनाशक अधिनियम' का मसौदा सुझावों के लिए पहले ही साझा किया जा चुका है। इन कानूनों का उद्देश्य नकली और घटिया कृषि उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा, यदि कोई व्यक्ति नकली या खराब गुणवत्ता के बीज या कीटनाशक बेचता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौजूदा दंड बहुत कम और अप्रभावी हैं। उन्होंने बताया कि राज्यों के सहयोग से ऐसी कुप्रथाओं के खिलाफ देशव्यापी अभियान भी चलाया जाएगा। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने रबी और खरीफ फसलों पर एक ही राष्ट्रीय सम्मेलन की जगह अब क्षेत्रवार परामर्श की रणनीति अपनाई है, ताकि अलग-अलग जलवायु और मिट्टी की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर योजना बनाई जा सके।

बंगाल में ममता, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमुक चुनाव जीत रही है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में द्रमुक चुनाव जीत रही है।

अब्दुल्ला ने हजरतबल में पत्रकारों से हालिया चुनावों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मैं आपको बताता हूं, और बाकी सब तो ईश्वर ही जानते हैं, बंगाल में ममता बनर्जी जीत रही हैं, केरल में कांग्रेस जीत रही है और तमिलनाडु में (एम के) स्टालिन की पार्टी द्रमुक जीत रही है। यह ईश्वर की कृपा है।'' पश्चिम एशिया संघर्ष से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख ने कहा कि शांति आवश्यक है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि युद्ध जल्द से जल्द समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''यदि पश्चिम एशिया में शांति नहीं लौटती है, तो इस दुनिया के लिए बड़ी त्रासदी होगी, ऐसे में हर किसी को – हर देश, हर नेता – को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि यह युद्ध तुरंत समाप्त हो जाए।'' केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' को लेकर जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए जनता का समर्थन अनिवार्य है।

साल 2026 का विस चुनाव बंगाल को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने के लिए है : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में 'अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने' की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को 'कमजोर' करने और उस पर नियंत्रण करने के एक व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने को लेकर है।

पिछले एक महीने से राज्य भर में घूम रहीं और चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहीं बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा कि बंगाल को 'कमजोर' करने के हर प्रयास का निर्णायक लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा, दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वे अपने वोट के जरिए जवाब देंगे। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का विरोध करने को लेकर है।

मुख्यमंत्री का इशारा स्पष्ट रूप से राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य सहित भाजपा के केंद्रीय नेताओं द्वारा चलाए जा रहे निरंतर प्रचार अभियान की ओर था।

बनर्जी ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को स्पष्ट इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और उसके भविष्य की रक्षा के लिए तत्परता से उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसकी राजनीति तय कर सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और उसकी संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

शिक्षकों के साथ विश्वास और सहयोग से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव: विजय कुमार चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल निर्देशों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ विश्वास और सहयोग के माध्यम से ही दी जा सकती है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी संभाल रहे चौधरी ने विद्यालयों के नियमित निरीक्षण को अनिवार्य बताया और कक्षा-कक्ष में शिक्षण कार्य के दौरान ही शिक्षकों के मूल्यांकन पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर शैक्षणिक सुधार को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

पटना के अधिवेशन भवन में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में चौधरी ने स्थानांतरण-पदस्थापन प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अच्छी पढ़ाई तभी होगी, जब शिक्षक मन से पढ़ाएं और इसके लिए अनुकूल वातावरण होना जरूरी है।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी बयान के अनुसार उप मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को शिक्षा सुधार की आधारशिला बताते हुए प्रशिक्षण मॉड्यूल के प्रभावी आकलन और उसके परिणामों के नियमित मूल्यांकन की आवश्यकता को रेखांकित किया। साथ ही गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के माध्यम से संचालित कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा तथा उनके प्रभाव का आकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

थॉमस कप फाइनल के पहले मैच में भारत ने कनाडा को 4-1 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होर्सेंस (डेनमार्क)/भाषा। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की।

लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई और केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

हाल में हुई एशिया चैंपियनशिप के उपविजेता 20 वर्षीय आयुष ने फिर दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी ब्रायन यांग को 39 मिनट में 21-13, 21-17 से हराकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरी युगल जोड़ी हरिहरन अमसकरुणन और एम आर अर्जुन ने टाइ अलेक्जेंडर लिंडेमैन और नाइल याकुरा पर 21-7, 21-15 की शानदार जीत के साथ भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। किदांबी श्रीकांत ने पांचवें और औपचारिकता मात्र रह गए मैच में दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी जोशुआ गुयेन को 21-17, 21-12 से मात दी।

इस तरह भारत ने मैच 4-1 से अपने नाम किया और चीन के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं 11 बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन चीन ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया।

चारों ग्रुप में से शीर्ष दो टीमें क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

दीप्ति शर्मा की फॉर्म चिंता का विषय है, लेकिन वह वापसी करेंगी: अमोल मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा के राष्ट्रीय टीम के साथ लंबे समय से चल रहे खराब दौर को चिंताजनक करार देते हुए उम्मीद जताई कि वह जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में लगातार तीन मैच हारकर शृंखला गंवा चुकी है। इस दौरान दीप्ति का गेंदबाजी प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वह अब तक एक भी विकेट हासिल नहीं कर सकी हैं। इस शृंखला के तसरे मैच में लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस ने दीप्ति की गेंदबाजी की जमकर धुनाई करते हुए उनके 3.3 ओवर में 46 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में 192 रन का लक्ष्य एक विकेट गंवा कर हासिल कर लिया। पिछले 10 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों (तीनों प्रारूपों में) में दीप्ति का योगदान भी सीमित रहा है, जहां उन्होंने केवल 51 रन बनाए और सात विकेट ही लिए हैं।

चौथे मैच से पहले मजूमदार ने कहा, मैं बात घुमाना नहीं चाहता, दीप्ति के मामले में यह निश्चित रूप से थोड़ी चिंता की बात है। उन्होंने कहा, '' लय अस्थायी होती है और कौशल स्थायी। यह एक आम कहावत है, लेकिन सभी खिलाड़ियों पर लागू होती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह कमाल की खिलाड़ी है।

सुविचार

जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए, यह आसमान भी आएगा ज़मीन पर, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रमित और कुंठित ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भारत के बारे में जो टिप्पणी की, वह अत्यंत निंदनीय है। उनका एक-एक शब्द यह गवाही दे रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अगर उन्हें समय रहते मर्यादा में नहीं रखा गया तो वे दुनिया को किसी बड़ी मुसीबत के मुंह में धकेल सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान पर हमला करने के बाद ट्रंप को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अगर वे पीछे हटेंगे तो इसे उनकी करारी हार माना जाएगा। अगर वे आगे बढ़ेंगे तो उन पर ईरानी जनता की हत्या के गंभीर आरोप लगेंगे। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए लालायित हैं। उन्होंने दर्जनों मनगढ़ंत दावे कर अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन दाल नहीं गली। ईरान पर बड़ा हमला करने के बाद उनका दावा भी खटाई में पड़ गया है। उनके शब्दों से गहरा गुस्सा झलक रहा है। वे कुंठित नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोचा होगा कि ईरान दो-चार दिनों में ही घुटनों पर आ जाएगा, लेकिन उसने ऐसा करारा जवाब दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की हालत सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। अब वे जन्मजात नागरिकता का मुद्दा उठाकर भारत के बारे में अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं। अगर ट्रंप को अमेरिका स्वर्ग और अन्य देश नरक लगते हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति वहां क्यों जाते हैं? क्यों उन देशों से संबंध रखते हैं? अपने देश तक सीमित रहें और 'स्वर्गवासी' कहलाएं।

> **अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई?**

ट्रंप ज्यादातर समस्याओं का एक ही समाधान जानते हैं। वह है- टैरिफ! उन्हें ऐसा लगता है कि टैरिफ वह चाबुक है, जिसे फटकारने भर की देर है। उसके बाद दुनिया सीधे रास्ते पर आ जाएगी।

अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई? अगर अमेरिकी राष्ट्रपति खुद को सर्वशक्तिमान समझते हैं तो ईरानी नेतृत्व को क्यों नहीं झुका पाए? ट्रंप की बेतुकी बयानबाजी सुनकर लगता है कि 'थोथा चना, बाजे घना' वाली कहावत यूं ही नहीं बनाई गई है। ट्रंप की हालत उस ईर्ष्यालु छात्र जैसी है, जो पढ़ना नहीं चाहता, लेकिन कक्षा में प्रथम आना चाहता है और पुरस्कार पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता है। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कट्टर आलोचक हैं, जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। वे ओबामा से पीछे नहीं रहना चाहते। उनका सपना है कि दुनिया उन्हें 'शांति पुरुष' के रूप में याद करे और ओबामा से ज्यादा योग्य समझे। जब कभी उन्हें महसूस होता है कि 'शांति पुरुष' कहलाने की संभावनाएं धूमिल होती जा रही हैं तो भड़क जाते हैं और उल्टे-सीधे बयान देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति की मानसिक स्थिति क्या होगी, जो एक दिन किसी देश को महान बताकर उसके प्रधानमंत्री को अपना सबसे अच्छा मित्र बताए और अगले दिन उस देश को नरक घोषित कर दे? ट्रंप के इस बयान को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। लोगों को अमेरिका जाने का मोह छोड़कर अपने देशों को महान बनाना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार समेत सभी सुविधाएं अपने देशों में भी पैदा की जा सकती हैं। इसके लिए सरकारें इच्छाशक्ति दिखाएं। विदेश जाकर अपमान झेलने से कई गुना बेहतर है अपने देश की रोटी; भले ही रूखी-सूखी हो, लेकिन अपनी मिट्टी और अपने पसीने की हो।

ट्वीटर टॉक

'नेशनल पंचायती राज डे' पर राज्य के सभी निवासियों को दिल से बधाई और शुभकामनाएं। हमारी कोशिश गांवों को मज़बूत बनाना और उन्हें तरक्की के रास्ते से जोड़ना है, और गांव की तरक्की के ज़रिए देश की तरक्की के सपने को पूरा करना है।

-दिया कुमारी

कांग्रेस और विपक्ष ने हमेशा महिला शक्ति को नज़रअंदाज़ किया है, जबकि हमारी सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के ज़रिए माताओं और बहनों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जब महिलाएं लीड करती हैं।

-भजनलाल शर्मा

मैं यूथ कांग्रेस के बब्बर शेर साथियों से मिला, जिन्हें उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किया गया था। शांतिपूर्ण विरोध हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। और यह तब और भी ज़रूरी हो जाता हैजब देश के पीएम से समझौता किया जाता है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सहजता की जीत

एक बार चीन के राजा ने महान दार्शनिक लाओत्से की बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर उन्हें अपने राज्य में उच्च पद देने का निश्चय किया। राजा ने दूतों को भेजा। दूत जब पहुंचे, तो उन्होंने देखालाओत्से नदी के किनारे खड़े शांत भाव से बहते जल को निहार रहे हैं। दूतों ने संदेश सुनाया। लाओत्से मुस्कुराए। उन्होंने नदी की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या तुम देख सकते हो, यह पानी कैसे बहता है? दूतों ने कहा, हां, यह अपनी दिशा में बह रहा है। लाओत्से बोले, 'यह जल कभी किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, फिर भी सबसे आगे बढ़ता है। यह किसी पहचान या पुरस्कार की इच्छा नहीं रखता, फिर भी सबका जीवन पोषित करता है। इसकी ताकत इसके सहज प्रवाह में है।' इतना कहकर उन्होंने एक सूखा पत्ता उठाया और नदी में डाल दिया। पत्ता बिना किसी संघर्ष के धारा के साथ बहने लगा। लाओत्से ने समझाया, 'जो व्यक्ति जीवन के प्रवाह के साथ चलना सीख जाता है, वह सबसे अधिक दूर तक पहुंचता है। जो हर चीज़ को पकड़ने की कोशिश करता है, वही बंध जाता है; और जो छोड़ना सीख लेता है, वही सच में स्वतंत्र होता है।'

सामयिक

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला?

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका वोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है।

> **दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।**

वर्ष 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है।

तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

नजरिया

बलबीर पुंज : एक दूरदर्शी एवं ध्येयनिष्ठ चिंतक का अवसान

बलबीर पुंज

> **आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे।**

प्रणय कुमार
मोबाइल : 9588225950

प्रख्यात चिंतक, लेखक, स्तंभकार और पूर्व राज्यसभा सांसद बलबीर पुंज नहीं रहे। गत 18 अप्रैल को उनका निधन हो गया। मस्तिष्क इसे मान भी ले तो हृदय मानने को तैयार नहीं होता। क्या लिखा जाए, कैसे लिखा जाए, कहां से शुरुआत की जाए और कहां समाप्त किया जाए? यह तय कर पाना अत्यंत कठिन हो रहा है। कभी-कभी किसी विराट व्यक्तित्व के जाने से ऐसी रिक्तता उत्पन्न होती है, जिसे भर पाना कदाचित संभव नहीं होता। बलबीर पुंज का जाना ऐसी ही रिक्तता का बोध कराता है।

वे एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जो सदैव लिखने-पढ़ने वाले लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते रहते थे। राष्ट्रीय धारा के लेखकों, स्तंभकारों और पत्रकारों के किसी अच्छे लेख पर वे अपनी टिप्पणी देते, उसे पढ़ने के लिए अपने परिचितों के साथ साझा करते और प्रायः स्वयं फोन कर लेखक को बताते कि उसके लेख में क्या खूबियां हैं, कहां सुधार की आवश्यकता है तथा विषय को और गहराई से समझने के लिए किन-किन लेखकों को पढ़ना चाहिए। यह वास्तव में एक दुर्लभ गुण था, विशेषतः ऐसे व्यक्ति में जो स्वयं एक स्थापित चिंतक, दो बार राज्यसभा सदस्य, भाजपा के बौद्धिक रणनीतिकारों में प्रमुख और संगठन के उच्च पदों पर रहा हो। उनकी सादगी, सहजता, सर्वसुलभता और निरहंकारिता केवल प्रभावित ही नहीं करती थीं, बल्कि कई बार अविश्वसनीय भी लगती थीं। यदि कोई लेखक, पत्रकार या स्तंभकार स्वास्थ्य संबंधी या अन्य किसी समस्या का सामना कर रहा होता, तो वे उसका कुशल-क्षेम लेना कभी नहीं भूलते थे। संपर्क-सूत्र उपलब्ध न होने पर भी वे किसी परिचित से उसका नंबर लेकर उससे संवाद स्थापित करते और उसके दुःख-दर्द में सहभागी बनते। आज के समय में, जब संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, ऐसी आत्मीयता अत्यंत दुर्लभ है।

आयु के आठवें दशक में भी उनकी सक्रियता आश्चर्यचकित करती थी। वे निरंतर लेखन, चिंतन और विमर्श में सक्रिय रहे। अनेक वॉट्सऐप समूहों पर वे न केवल अपने लेख साझा करते थे, बल्कि दूसरों के लेखों और टिप्पणियों को भी ध्यानपूर्वक पढ़कर उन पर सारगर्भित प्रतिक्रिया देते थे। कभी-कभी वे अन्य महत्त्वपूर्ण लेख साझा कर सभी को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। अपने देहावसान से तीन-चार दिन पूर्व तक उनका लेखन जारी रहा, यह उनकी साधना और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके लिए लेखन केवल विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि एक साधना थी। वे कहा करते थे कि यदि 'रामजी' ने लेखनी की सामर्थ्य दी है, तो उसका उपयोग देश, धर्म और संस्कृति के लिए होना चाहिए। इसी में जीवन की धन्यता और सार्थकता है। वे लेखकों, पत्रकारों और संपादकों को यह प्रेरणा देते थे कि लेखन को ही अपना सबसे सशक्त उपकरण बनाएं। कार्यक्रमों और आयोजनों की अपेक्षा लेखन अधिक स्थायी प्रभाव छोड़ता है। सधी हुई लेखनी ही समय के शिलालेख पर अपनी अमिट छाप छोड़ती है। इस संदर्भ में वे सीताराम गोयल, रामस्वरूप और धर्मपाल जैसे चिंतकों से प्रेरणा लेने की बात करते थे। उनका कहना था कि उनके जाने के बाद दुनिया ने उनकी लेखनी के तत्त्व व महत्त्व को समझा।

किसी भी विषय पर उनकी समझ अत्यंत गहरी और व्यापक थी। वे केवल घटनाओं की सतह पर नहीं रुकते थे, बल्कि उनके मूल तक जाकर विश्लेषण करते थे। भारतीय विमर्श (नैरेटिव्स) की उनकी समझ विलक्षण थी। उनकी पुस्तक 'नैरेटिव्स का मायाजाल' इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उनके लेखों में लिजलिजी-पिलपिली भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं होता था। वे तर्कों को स्पष्टता और तथ्यों को प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करते थे। यही कारण था कि उनके विचारों का खंडन करना उनके विरोधियों के लिए भी सहज नहीं होता था।

उन्होंने भारतीय सभ्यता, सनातन संस्कृति और उसके इतिहास का गहन अध्ययन किया था। साथ ही, उन्होंने अब्राहमिक सभ्यताओं का भी सूक्ष्म विश्लेषण किया था। इस कारण वे वैश्विक स्तर पर चल रहे सभ्यतागत संघर्ष का यथार्थ चित्र प्रस्तुत कर पाते थे। वे हिंदुत्व की उदारता, बहुलता और सह-अस्तित्व की भावना को पहचानते थे, परंतु इसके समक्ष उपस्थित वर्तमान और संभावित संकटों के प्रति भी उतने ही सजग थे। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज को बार-बार इन चुनौतियों व संभावित संकटों के प्रति सचेत किया था। वे मानते थे कि खंडित समाज किसी भी वैचारिक या सामाजिक चुनौती का सामना नहीं कर सकता। इसलिए उन्होंने संगठित समाज के महत्त्व को जीवनभर रेखांकित किया। वे जानते थे कि वामी-जिहादी-यूरोपंथी गठजोड़ के समक्ष असंगठित हिंदू-समाज टिक नहीं सकता। अतः उन्होंने अपना लेखकीय-जीवन समाज को संगठित करने की आवश्यकता समझाने में समर्पित किया।

वे व्यक्तिगत बातचीत में संगठनात्मक सुधार के बिंदुओं का उल्लेख अवश्य करते थे, परंतु सार्वजनिक रूप से उन्होंने सदैव संगठन की मर्यादा को सर्वोपरि रखा। वे इस बात के प्रति सजग थे कि किसी भी बड़े ध्येय की प्राप्ति के लिए ध्येयनिष्ठा, अनुशासन और व्यक्तिगत आकांक्षाओं का त्याग आवश्यक होता है। वे संघ विचारों के निकट थे और स्वयंसेवकों को साधक के रूप में देखते थे। उनका विश्वास था कि स्वयंसेवकों की साधना से ही समाज में अनुकूल परिवर्तन संभव हुआ है और राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के प्रति गौरव-बोध जाग्रत हुआ है। फिर भी, वे इस बात से चिंतित थे कि बौद्धिक और शैक्षिक क्षेत्रों में वामपंथ का प्रभाव अब भी बना हुआ है। उनका मानना था कि साल 2014 के बाद राजनीतिक और हिंदी मीडिया जगत में परिवर्तन अवश्य आया है, परंतु अंग्रेजी मीडिया, शैक्षिक संस्थानों व सत्ता-प्रतिष्ठानों में वैचारिक असंतुलन अभी भी विद्यमान है। वहां अभी भी वामपंथ व औपनिवेशिक मानसिकता हावी है। वे बार-बार कहते थे कि इक्कीसवीं सदी की मुख्य लड़ाई नैरेटिव्स' के स्तर पर ही लड़ी जाएगी। जो इस लड़ाई को जीतेगा, वही अंततः समाज की दिशा तय करेगा। इसलिए वे युवाओं और कार्यकर्ताओं को पढ़ने-लिखने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित करते थे।

वे जनसंख्या के बदलते स्वरूप और उसके सामाजिक प्रभावों को लेकर भी अत्यंत गंभीर थे। इस विषय पर एक विस्तृत पुस्तक लिख रहे थे और इसके लिए उन्होंने सैकड़ों ग्रंथों का अध्ययन किया था। उनका चिंतन वायवीय नहीं, बल्कि यथार्थपरक और तथ्याधारित होता था।

भारत के विभाजन की पीड़ा उनके लेखन और चिंतन में बार-बार प्रकट होती थी। वे इस बात से व्यथित थे कि समाज उस ऐतिहासिक, पीड़ादायक अनुभव एवं त्रासदी से अपेक्षित शिक्षाएं नहीं ले पाया है। वे कहते थे कि यदि समाज अपने अतीत से सबक नहीं लेगा, तो भविष्य में भी वही गलतियां दोहराएगा। वे बदलती जनसंख्या संरचना, मतांतरण, घुसपैठ एवं जनसंख्या के आनुपातिक असंतुलन को गंभीर समस्या मानते थे और समाज को इसके प्रति जागरूक रहने का आग्रह करते थे। उनके अनुसार, आत्ममुग्धता या वास्तविकता से विमुख होना समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसलिए वे चाहते थे कि हिंदू-समाज सद्गुण-विकृति का शिकार न हो, बल्कि उससे यथाशीघ्र मुक्त हो।

आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे। निःसंदेह, उनकी स्मृतियां और उनका लेखन आने वाली पीढ़ियों को ध्येयनिष्ठा, साहस और राष्ट्रनिष्ठ चिंतन की प्रेरणा देते रहेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बचाव

हैदराबाद में शुक्रवार को एक यात्री अपने परिवार के साथ टू-व्हीलर पर सवार है और उन्हें चिलचिलाती गर्मी से बचाव करता हुआ।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध को दुनिया के लिए उपहार बताया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीटर हेगसेथ ने ईरान युद्ध को शुक्रवार को दुनिया के लिए उपहार बताया और कहा कि ईरानी जहाजों पर अमेरिकी नाकाबंदी जब तक आवश्यक होगा तब तक जारी रहेगी।यह अमेरिका के रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक सुरक्षा के लिए ईरानी खतरे को समाप्त करने के वाशिंगटन के साहसिक एवं खतरनाक मिशन को पूरा करने के वास्ते ईरानी जहाजों पर अमेरिकी नाकाबंदी जब तक आवश्यक होगा तब तक जारी रहेगी।अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि नाकाबंदी के कारण अब तक 34 जहाजों को वापस भेज दिया गया है, लेकिन पोत-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि ईरान अब भी अपने प्रतिबंधित तेल का कुछ हिस्सा स्थानांतरित करने में सक्षम है।

नौवहन डेटा और खुफिया जानकारी से जुड़ी कंपनी 'लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस' ने कहा कि फारस की खाड़ी में अवैध बेड़ों की आवाजाही का एक निरंतर प्रवाह रहा है, जिसमें ईरानी माल से भरे 11 टैंकर भी शामिल हैं जो 13 अप्रैल से जलडमरूमध्य के बाहर ओमान की खाड़ी से रवाना हुए हैं। समुद्री खुफिया फर्म विंडवर्ड ने इस सप्ताह कहा कि ईरानी यातायात धोखे के माध्यम से जारी है। ईरानी पोत ट्रैकिंग डेटा में हेराफेरी करके और पाकिस्तानी जलक्षेत्र से यात्रा करके नाकाबंदी से बचने में सक्षम हैं।

खुशी

कोलकाता के दमदम में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान समर्थक खुशी से झूमते हुए।

हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में हिम चादर लगातार चौथे साल निम्न स्तर पर : आईसीआईएमओडी

काठमांडू/भाषा। एक रिपोर्ट के अनुसार गंगा बेसिन 2026 में सामान्य से अधिक बर्फ वाले 12 क्षेत्रों में शामिल रहा जबकि हिंदू कुश हिमालय में बर्फ की मात्रा लगातार चौथे वर्ष सामान्य से कम रही और पिछले वर्ष के रिकॉर्ड-निम्न स्तर से भी नीचे चली गई। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट' (आईसीआईएमओडी) द्वारा जारी हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) संबंधी एक वार्षिक रिपोर्ट है। आईसीआईएमओडी एचकेएच क्षेत्र में मौसमी हिमपात पर नजर रखता है और नवंबर से मार्च तक शीतकालीन महीनों में बर्फ की स्थिति का आकलन करता है। वर्ष 2003 से 2026 के बीच, एचकेएच क्षेत्र में 14 ऐसी सर्दियां रहीं जब सामान्य से कम बर्फ जमी। यह एक आवर्ती पैटर्न के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्ति में वृद्धि नजर आयी है। एचकेएच संबंधी अद्यतन रिपोर्ट में कहा गया है, 2026, लगातार चौथा वर्ष है जब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है। बर्फ की मात्रा औसत से 27.8 प्रतिशत कम होकर पिछले वर्ष के 23.6 प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर से भी कम हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है, लगातार हो रही यह गिरावट दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत शृंखला में मौसमी बर्फ भंडार के कम होने का संकेत देती है, जिससे एचकेएच से निकलने वाले 12 प्रमुख नदी बेसिनों पर निर्भर लगभग दो अरब लोगों की जल सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है। इनमें से दस बेसिनों में अब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार, मेकांग, तारिम और तिब्बती पठार में पिछले 24 वर्षों की निगरानी में बर्फ का सबसे कम स्तर दर्ज किया गया है।

एक्टर हुमा कुरैशी मुंबई में वेब सीरीज 'कप्तान' के सक्सेस सेलिब्रेशन के दौरान भाग लेते हुए।

इसहाक डार और ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने अमेरिका ईरान संघर्ष विराम पर विचार-विमर्श किया

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की और क्षेत्रीय घटनाक्रम तथा अमेरिका-ईरान युद्धविराम के संबंध में चर्चा की। इसके साथ ही दूसरे दौर की शांति वार्ता की उम्मीदें बढ़ गई हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अराघची ने डार से फोन पर बातचीत की। डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी हैं। बयान में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय घटनाक्रम, संघर्षविराम और अमेरिका-ईरान वार्ता के संदर्भ में पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे कूटनीतिक प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' हालांकि इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

बयान में कहा गया है कि डार ने जल्द से जल्द क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए लंबित मुद्दों के समाधान हेतु सतत संवाद और मुलाकातों की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसमें आगे कहा गया कि अराघची ने इस संदर्भ में पाकिस्तान की निरंतर और रचनात्मक मध्यस्थता की भूमिका की सराहना की तथा दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने को लेकर सहमति जताई।ईरानी मीडिया ने बताया कि अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी बातचीत की।पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को वार्ता की मेज पर लाने के लिए पिछले कुछ दिनों से अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार को भी यातायात ठप रहा, क्योंकि अधिकारी शांति वार्ता के लिए अमेरिका और ईरान के शीर्ष नेताओं के संभावित दौरे का इंतजार कर रहे हैं। प्रमुख मुद्दों पर मतभेदों के कारण यह वार्ता फिलहाल रुकी हुई है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी के प्रशासन ने अति विशिष्ट लोगों के आवागमन वाले क्षेत्रों में रविवार से ही सभी प्रमुख सड़कों और बाजारों को बंद कर दिया था, क्योंकि संकेत मिल रहे थे कि इस सप्ताह बातचीत किसी भी दिन शुरू हो सकती है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

जिला प्रशासन ने अभी तक नूर खान एयरबेस के आसपास के क्षेत्रों को फिर से खोलने और मेट्रो बस, इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और माल परिवहन को फिर से शुरू करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

पुराने हवाई अड्डे के आसपास की सड़कें, संपर्क मार्ग, बाजार और बैंक पिछले पांच दिनों से लगातार बंद हैं, जिसके कारण शाह फैसल कॉलोनी, खालिद कॉलोनी, गुलजार-ए-कायद, फजल टाउन और अन्य क्षेत्रों के निवासी अपने घरों में ही कैद हैं।

मेरी कोई 100 करोड़ वाली फिल्म नहीं, फिर भी मैं इंडस्ट्री की सबसे सफल प्रोड्यूसर्स हूँ : गुनीत मोंगा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

गुनीत मोंगा कपूर ने अपने करियर में सफलता की परिभाषा ही बदल दी है। बिंदास, शार्प और पूरी तरह ओरिजिनल वो उन कहानियों पर दांव लगाती हैं जो दिल छूती हैं, सिर्फ बिकती नहीं। इंडी फिल्मों को आगे बढ़ाने से लेकर इंडियन स्टोरीटेलिंग को ग्लोबल मंच तक ले जाने तक, उन्होंने खुद को इंडस्ट्री की सबसे रिस्पेक्टेड प्रोड्यूसर्स में शामिल कर लिया है। वो इकलौती भारतीय प्रोड्यूसर हैं जिन्हें द एलीफेंट व्हिस्परर्स के लिए ऑस्कर मिला- एक ऐसा मोमेंट जिसने इंडियन कंटेंट को इंटरनेशनल लेवल पर एक अलग पहचान दी।

सालों से अपनी कंपनी सिख्या एंटरटेनमेंट के जरिए, गुनीत मोंगा कपूर लगातार ऐसी कहानियों को सपोर्ट करती आई हैं जिनमें दम है, ओरिजिनेलिटी है। चाहे क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्में हों, नए टैलेंट की शुरुआत हो या फिर कल्चरल इम्पैक्ट वाली स्टोरीज- उनकी फिल्मोग्राफी हमेशा रिस्क लेने और नए वॉइसेज को प्लेटफॉर्म देने की मिसाल रही है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलकर बताया कि हमारे यहां फिल्मों की सफलता अक्सर सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर से नापी जाती है, जबकि असली वैल्यू कहीं और भी हो सकती है। उनके शब्दों में: सच बताऊं तो मेरी कभी 100 करोड़ वाली फिल्म नहीं रही। लेकिन मैं सबसे सफल प्रोड्यूसर्स में गिनी जाती हूंइंडिया में 100 करोड़ कमाने से वैलिडेशन मिलता है। लेकिन अगर मैं 15 करोड़ में फिल्म बनाकर 30 करोड़ कमा लूं, तो मेरा उतना हाई है और मैं सफल हूं। ये मैंने थेरेपी में भी सीखा। वरना हेडलाइंस वही बनती हैंजिसने 100 करोड़ कमाए वो अच्छा, जिसने 500 करोड़ कमाए वो बहुत अच्छा। आज हम अच्छाई-बुराई भी पैसों से माप रहे हैं हम खुद को कहां ले आए हैं?

वो आगे कहती हैं कि उनके साथ अभी तक ऐसा नहीं हुआ, लेकिन वो एक दिन 100 करोड़ कमाने वाली फिल्म बनाना जरूर चाहती हैं। मेरे पास जो एक्सेस था, मैंने उसी दायरे में काम कियाफर्स्ट-टाइम डायरेक्टर्स, यंग एक्टर्स मैं उन्हीं लोगों के साथ काम करती हूं जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं।मैंने कभी बड़े स्टार या वैलिडेशन का इंतजार नहीं किया कि वही हां बोलेगा तब फिल्म बनेगी। उनका ये नजरिया इंडस्ट्री में चल रही एक बड़ी बातचीत को दिखाता हैजहां अब सिर्फ कमाई नहीं, बल्कि क्रिएटिव वैल्यू, सस्टेनेबिलिटी और लॉन्ग-टर्म इम्पैक्ट भी मायने रखता है।आगे बढ़ते हुए, गुनीत मोंगा कपूर सिख्या एंटरटेनमेंट के तहत नए प्रोजेक्ट्स, फ्रेश टैलेंट और अलग-अलग जॉनर की कहानियों पर काम कर रही हैंऔर साफ है, उनका फोकस सिर्फ नंबर नहीं, कहानी का असर है।

प्यार और जंग में सब जायज है, जेल से सुकेश चंद्रशेखर ने एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को लिखा लेटर

मुंबई/एजेन्सी

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस द्वारा 'अप्रूवर' (सरकारी गवाह) बनने के आवेदन दायर करने के बीच आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने अभिनेत्री को जेल से एक बार फिर पत्र लिखा है। इस पत्र में सुकेश ने कहा, प्यार और जंग में सब जायज है। सुकेश चंद्रशेखर ने पत्र की शुरुआत बेबी बोड़ा बोम्मा से की और जैकलीन को मेरी जैकी संबोधित करते हुए लिखा, प्यार और जंग में सब जायज है, तुम मेरी हो, मैं हमेशा तुम्हारा हूं। मैं हमेशा तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा। पत्र में सुकेश ने अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, तुमसे पागलों की तरह प्यार करता हूं। तुम्हारी याद आ रही है और हमारे बीच बस यही बात मायने रखती है। पत्र के अंत में सुकेश ने खुद को आपका बेबी बॉय, सुकाश बताया। सुकेश का यह पत्र ऐसे समय में आया है जब अदालत में याचिका पर सुनवाई चल रही है। सुकेश वर्तमान में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में जेल में बंद है। वह पहले भी जैकलीन को कई बार पत्र लिख चुका है, जिनमें अपने प्यार और समर्थन का जिक्र किया गया है। वहीं, हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने दिल्ली की अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अप्रूवर बनने का आवेदन दायर किया था, जिस पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपना जवाब देने के लिए समय मांगा है। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई। इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है। साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

कृतिका कामरा ने बताए 'मटका किंग' में गुलरुख के खास लुक के राज

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय ओटीटी और फिल्मों की दुनिया में जब भी किसी पुराने दौर को पर्दे पर दोबारा दिखाया जाता है, तो उसके पीछे गहरी रिसर्च होती है। ऐसी ही एक कोशिश हाल ही में वेब सीरीज 'मटका किंग' में देखने को मिली, जहां अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने किरदार गुलरुख के जरिए 1960 और 1970 के दशक के मुंबई का फैशन और माहौल फिर से जीवंत कर दिया।

इस किरदार की तैयारी में उन्होंने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और सितारों को देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, स्टाइल और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की कोशिश की। कृतिका कामरा ने बताया कि उनके किरदार का लुक बनाने की शुरुआत एक खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर परवीन बॉबी की थी। उन्होंने कहा, ''इसके बाद टीम ने जीनत अमान, शर्मिला टैगोर और रेखा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के स्टाइल और पर्सनैलिटी को भी देखा। कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रियंका दुबे ने मेरे साथ कई बार ट्रायल किए, ताकि हर आउटफिट, हर ड्रेस और हर लुक उस समय की असलियत को सही तरह से दिखा सके।''

कृतिका ने कहा, ''टीम ने उस दौर की असली तस्वीरों और दस्तावेजों को भी खंगाला। इसमें जैज क्लब, रेसिंग इवेंट्स और पारसी इवेंट्स के कार्यक्रमों की तस्वीरें शामिल थीं। इन सब चीजों ने मिलकर यह समझने में मदद की कि उस समय लोग कैसे रहते थे, कैसे कपड़े पहनते थे और उनका पूरा माहौल कैसा हुआ करता था। यही वजह है कि गुलरुख का किरदार सिर्फ एक फैशनेबल लुक नहीं बल्कि एक जीवंत समय का एहसास देता है।''

कृतिका कामरा ने कहा, ''मेरे किरदार को गढ़ने में सिर्फ कपड़े या मेकअप ही नहीं, बल्कि हर छोटी चीज का ध्यान रखा गया था। हेयरस्टाइल से लेकर जूते और एक्सेसरीज तक सब कुछ बहुत सोच-समझकर चुना गया। इन्हीं बारीकियों की वजह से मुझे अपने किरदार में ढलने और गुलरुख के आत्मविश्वास को समझने में मदद मिली। जब तक किरदार का पूरा लुक सही नहीं होता, तब तक उसकी असली भावना को पर्दे पर लाना मुश्किल होता है।''

'पति पत्नी और वो 2' का गाना 'रूप दी रानी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'रूप दी रानी' बुधवार को रिलीज कर दिया है। आयुष्मान अपने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, तीन हसीनाएं और पांडे जी का स्वैग...इसमें पूरा कन्फ्यूजन और मनोरंजन होगा। गाना 'रूप दी रानी' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना फिल्म के मजेदार माहौल को अच्छी तरह से दर्शाता है। इसकी कैची धुनों पर मुख्य कलाकार आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह जमकर थिरकते नजर आ रहे हैं। गाने को गुरु रंधावा और और हीर ने मिलकर गाया है। इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, जबकि संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। डांस की कोरियोग्राफी बॉस्को-लेस्ली मार्टिस ने की है। उन्होंने एक मजेदार हुक स्टेप भी तैयार किया है, जो शादी वाले सीन की ओर इशारा करता है। गाने के रंगीन और एनर्जेटिक विजुअल्स फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं।

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' का निर्माण भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। यह 2019 की हिट फिल्म 'पति पत्नी और वो' फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जहां कानपुर के इंजीनियर चिंटू त्यागी के विवाहेतर संबंध को मजेदार अंदाज में पर्दे पर दिखाया गया था।

इस बार प्रयागराज के प्रजापति पांडे की दुनिया को भी हल्के-फुल्के हास्य अंदाज में दिखाया जाएगा। दरअसल, इस बार फिल्म में प्रजापति पांडे के जीवन में तीन महिलाओं के आने से पैदा होने वाला कन्फ्यूजन को दिखाया जाएगा। फिल्म का टीजर पहले जारी किया जा चुका है, जिसे दर्शकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'पति पत्नि और वो दो' 15 मई को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मॉडलिंग की चमक-धमक और 'बाबूजी गर्ल' का टैग, आश्रम से मिला इंडस्ट्री का रास्ता

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के बीच कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो सफलता मिलने के बाद भी अंदर से खालीपन महसूस करते हैं और खुद को तलाशने की कोशिश में अलग रास्ता चुनते हैं। याना गुप्ता की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। यूरोप और जापान में मॉडलिंग की दुनिया में नाम कमाने के बाद जब लगातार काम और भागदौड़ से उनका मन थक गया, तब वह शांति और सुकून के लिए भारत के पुणे स्थित ओशो आश्रम आ गईं। शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अध्यात्म की खोज में भारत आई याना आगे चलकर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आइटम गर्ल्स में से एक बन गईं। याना गुप्ता का जन्म 23 अप्रैल 1979 को चेकोस्लोवाकिया के ब्रनो शहर में हुआ था, जो आज चेक रिपब्लिक का हिस्सा है। उनका असली नाम जाना सिंकोवा था। बचपन से ही उनकी जिंदगी आसान नहीं रही। जब वे छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए थे। इसके बाद उनकी मां ने अकेले ही याना और उनकी बहन की परवरिश की। परिवार आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना कर रहा था, इसलिए याना ने बचपन से ही संघर्ष देखा। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने गार्डनिंग और पार्क आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। इसी दौरान उनकी एक दोस्त मॉडलिंग कोर्स करने जा रही थी और उसने याना को भी साथ चलने के लिए कहा। यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। याना ने मॉडलिंग सीखी और बहुत जल्द इस दुनिया में पहचान बना ली। कम उम्र में ही वे प्रोफेशनल मॉडल बन गईं और यूरोप के कई देशों के साथ-साथ जापान में भी काम करने लगीं।

लेकिन, लगातार काम और ग्लैमर की दुनिया की भागदौड़ से वे धीरे-धीरे परेशान होने लगीं। उन्हें लगने लगा कि जिंदगी में सिर्फ काम और शोहरत ही सब कुछ नहीं है। वे मानसिक शांति चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें भारत के पुणे में मौजूद ओशो आश्रम के बारे में पता चला। उन्होंने सब कुछ छोड़कर भारत आने का फैसला किया। यहां वे अध्यात्म और खुद को समझने की कोशिश करने लगीं।

ओशो आश्रम में ही उनकी मुलाकात कलाकार सत्यकाम गुप्ता से हुई। दोनों करीब आए और साल 2001 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने नाम के साथ 'गुप्ता' जोड़ लिया और भारत को ही अपना घर बना लिया। इसी दौरान उन्होंने भारत में मॉडलिंग की शुरुआत की। शुरुआत में उन्हें यहां कोई नहीं जानता था, इसलिए उन्होंने खुद मेहनत करके काम ढूंढना शुरू किया। मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ काम करने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई। धीरे-धीरे वे बड़े विज्ञापनों और फैशन शो का हिस्सा बनने लगीं। फिर साल 2003 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। उन्हें फिल्म 'दम' में ''बाबूजी जरा धीरे चलो' गाने पर परफॉर्म करने का मौका मिला। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। लोग फिल्म से ज्यादा याना को याद रखने लगे। इसके बाद उन्हें बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में कई आइटम नंबर मिलने लगे।

वे 'अग्नियन' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। हालांकि, सफलता के साथ एक मुश्किल भी आई। फिल्म इंडस्ट्री उन्हें सिर्फ ग्लैमरस और आइटम नंबर वाले रोल देने लगी। याना चाहती थीं कि वे गंभीर किरदार निभाएं, लेकिन उन्हें वैसा मौका कम मिला। धीरे-धीरे उनकी पहचान सिर्फ एक 'आइटम गर्ल' बनकर रह गई। इसके बावजूद, उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया।

आरवाईए कॉस्मो के स्थापना दिवस पर वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी के सदस्य शपथ लेते हुए।

राजेश रांका के नेतृत्व में आरवाईए कॉस्मो की नई टीम का शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो का स्थापना दिवस गुरुवार सायं एग्मोर स्थित एक पंचतारा होटल में उत्साह, उमंग और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वर्ष 2026-27 की कार्यकारिणी समिति ने राजेश रांका के नेतृत्व में विधिवत शपथ ग्रहण कर नई जिम्मेदारियों का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और ईश प्रार्थना के साथ हुई, जिसमें गणमान्य अतिथियों, सदस्यों और युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। 'मस्ती की पाठशाला' थीम पर आधारित इस आयोजन में मनोरंजन, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। तत्कालीन अध्यक्ष सतीश मुणोत ने स्वागत भाषण में बीते वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनकी टीम ने फाउंडेशन के लिए निधि एकत्रित करने, कॉस्मो प्रीमियर लीग जैसे सफल आयोजन और स्वास्थ्य जागरूकता हेतु 'वॉक-टॉक' कार्यक्रम संचालित किए। उन्होंने फाउंडेशन को सशक्त बनाने में टीम की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रेरणादायक क्षणों ने समां बांध दिया। हम साथ चलें, हम साथ बढ़ें, एकता में हमारी शक्ति रहे... जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों और लाइफ इज माई टीचर थीम पर आधारित युवाओं के प्रदर्शन ने उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। नए सदस्यों एवं नव निर्वाचित टीम का परिचय भी रचनात्मक और थीम आधारित शैली में कराया गया, जबकि पूर्व अध्यक्षों ने भावनात्मक अभिव्यक्ति के साथ संगठन के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई। इस अवसर पर सतीश मुणोत ने नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश रांका को अध्यक्षीय मेडल पहनाकर और तिलक लगाकर पदस्थापित किया। पूर्व अध्यक्ष अजय नाहर ने नई टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में अभय लोढ़ा एवं राजेश जी. बाफना उपाध्यक्ष, राकेश ललवानी सचिव, मनोज चौहान एवं दिलीप बोकड़िया सहसचिव, विनोद कोठारी कोषाध्यक्ष तथा विकास ललवानी फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किए गए।

अपने प्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेश रांका ने कहा, आज से हम सभी एक ही कक्षा के विद्यार्थी हैं। 'मस्ती की पाठशाला' केवल थीम नहीं, बल्कि सीख, संस्कार और आनंद का संगम है। उन्होंने कहा कि जब ऊर्जा, एकता और सकारात्मक सोच साथ हों, तो हर मंच मस्ती की पाठशाला बन जाता है और हर सदस्य एक प्रेरणादायी विद्यार्थी। उन्होंने पूर्व अध्यक्षों के योगदान को स्मरण करते हुए आगामी वर्ष को और अधिक सक्रिय, सार्थक और यादगार बनाने का संकल्प व्यक्त किया। मैनेजिंग ट्रस्टी विकास ललवानी ने मेडिबैंक' योजना को संगठन की पहचान बताते हुए उसे और सुदृढ़ करने का आह्वान किया तथा सभी सदस्यों से सामाजिक परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर आरवाईए के अध्यक्ष विवेक बंब और सचिव विकास मरडिया ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सहयोग के लिए निखिल किंगर का सम्मान किया गया। मंच संचालन राजेश नाहर ने प्रभावशाली ढंग से किया, जबकि अंत में सचिव राकेश ललवानी ने आभार व्यक्त किया।

जैन गुरुकुल, अंबत्तूर में बच्चे सीख रहे प्राकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन गुरुकुल, अंबत्तूर में छोटे-छोटे बच्चे भी शास्त्रीय भाषा प्राकृत सीख रहे हैं। निदेशिका विजया कोटेचा ने बताया कि साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग की प्रेरणा से प्राकृत भाषा ज्ञान कक्षाएँ शुरू की गईं। इसमें हेमलता बरमेचा, संगीता बोहरा, नमिता रांका, सगीता धनवंती रेखा देसरला, तरुणा रांका, मंजू बोकड़िया आदि स्वाध्यायी श्राविकाएँ स्वयं भी प्राकृत सीख रही और बालक बालिकाओं को भी सीखा रही हैं। कोटेचा ने बताया कि बच्चे रुचि और उत्साह के साथ प्राकृत सीख रहे हैं। हिंदी माध्यम से उन्होंने सौ से अधिक प्राकृत शब्द अर्थ और प्रयोग सहित सीख लिए हैं। इस क्रम में हाल ही अनेक टीमें बनाकर प्राकृत भाषा ज्ञान परीक्षा हुई। इसमें नमो जैन, कासवी रांका, रक्षित बोकड़िया, वंश तालेड़ा, वंश सकलेचा, हितेश चौपड़ा, इवांशी रांका, खुश बांठिया और लक्ष्य रांका की टीम विजेता बनी। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

जैनाचार्य हस्तीमल की स्मृति को सामायिक दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक जैनाचार्य पूज्यश्री हस्तीमल म.सा के 35 वें पुण्य स्मृति दिवस को दो-दो सामायिक की साधना के साथ मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने आचार्य हस्तीमल द्वारा अर्थ व भावार्थ किये गए प्रश्न व्याकरण सूत्र के अब्रह्म आश्रव द्वार का विस्तृत विवेचन करते हुए आचार्य हस्ती के गुणगान रूप में भाव रखे। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने उनके चरित्रमय जीवन के अनेक उद्धरण धर्मसभा में रखे।

वरिष्ठ स्वाध्यायी महावीरचन्द बागमार ने आचार्य के संथारे समय प्रत्यक्ष दर्शन के संस्मरण रखे। राजकुमारी बैद ने गुरुदेव के उनके परिवार पर किए उपकारों को याद करते हुए भाव रखे। स्वाध्यायी इंदरचंद कर्णावट ने गुरु हस्ती के द्वारा सर्प को बचाने की घटना पर प्रकाश किया। श्रावक संघ के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत ने गुरु के उपकारों पर कृतज्ञ भाव रखते हुए सुखसाता पाठ पृच्छा की। हितेन कोठारी ने चिन्तन सूत्र किया। धर्म सभा में श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्षा शशि कांकरिया, रुपराज सेठिया, दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, लीलमचन्द बागमार, उच्छबराज गांग आदि ने गुणगान रूप में हस्ती चालीसा की सामूहिक स्तुति की व दो-दो सामायिक की साधना करते हुए पुण्य स्मृति दिवस मनाया।

वंचित एवं अनाथ बच्चों के लिए फ्लाइट ऑफ फैंटेसी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राउंड टेबल इंडिया द्वारा वंचित एवं अनाथ बच्चों केंलिए फ्लाइट ऑफ फैंटेसी का आयोजन किया गया वंचित बच्चों के लिए उनकी अविस्मरणीय यादें संजोने के उद्देश्य से शुरू की गई। इस पहल में राउंड टेबल 100 और 20 के सदस्यों ने लगातार पांचवें वर्ष इस तरह की पहल का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के अंतर्गत कोयंबटूर के 16 बच्चों को पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव करने का अवसर मिला। दिन की शुरुआत बच्चों के कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए सुबह की उड़ान में सवार होने के साथ हुई, जो उत्साह और आश्चर्य से भरा एक यादगार क्षण बन गया।

चेन्नई पहुँचने पर बच्चों को फीनिक्स मार्केटसिटी ले जाया गया, जहाँ उन्होंने कई मनोरंजक गतिविधियों को अंजाम दिया इसके बाद बच्चों को बसंत नगर बीच की यात्रा, समुद्र किनारे आराम करने और चेन्नई के जीवंत वातावरण का आनंद लेने का आनंदमय सुअवसर मिला। दिन का समापन कोयंबटूर वापस जाने वाली फ्लाइट की उड़ान में सवार होने के साथ हुआ जिससे एक ही दिन में यादगार अनुभवों का एक चक्र पूरा हो गया। यह पहल राउंड टेबल 20 कोयंबटूर और राउंड टेबल 100 चेन्नई के संयुक्त प्रयासों से संभव हुआ जो वंचित बच्चों के लिए सार्थक अनुभव सृजित करने के लिए एक साथ आए। इस अवसर पर प्रवेश जैन एवं यशवंत ने कहा कि चेन्नई में इन प्यारे बच्चों की मेजबानी करना बेहद आनंददायक रहा। मॉल के अनुभव से लेकर समुद्र तट तक,का हर पल उनके लिए यादगार बनाने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारे बीच का यह सहयोग इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे छोटे प्रयास भी जीवन में स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं।

विप्र फाउंडेशन ने बेंगलूरु में पौधारोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विप्र फाउंडेशन जोन-18 बेंगलूरु कर्नाटक तथा बेंगलूरु चैप्टर ने इस बार के कार्यकाल में पर्यावरण प्रोत्साहन की दिशा में कुछ उल्लेखनीय कार्य करने का संकल्प किया है। इस दिशा में शुरुआती प्रयास के तहत शुक्रवार को डीआरडीओ क्षेत्र के शिव मंदिर परिसर में विप्र फाउंडेशन जोन-18 के अध्यक्ष हरिराम सारस्वत, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय, चैप्टर के महासचिव हेमंत परवाल के साथ कमल पाराशर ने नीम, बरगद, पीपल, अमरूद, आंवला, गुलाब तथा अन्य फल-फूलों की विभिन्न प्रजातियों की पौध लगाई। इस कार्य में विशेष सहयोग भिंड मध्यप्रदेश में समाजोत्थान के विविध कार्यक्रमों में लगे, कर्मठ स्वयंसेवक, पर्यावरण कार्यकर्ता रामराज पुरोहित का रहा, जो वर्तमान में बेंगलूरु प्रवास पर हैं और जिन्होंने इस योजना में अपना श्रम स्वेच्छा से प्रदान करने की पेशकश कर विप्र फाउंडेशन को अनुग्रहीत किया। उन्होंने इन पौधों को अगले कुछ माह पानी देने एवं देखरेख करने का दायित्व अपने किसी परिचित को देते हुए उनसे आग्रह किया कि बारिश की ऋतु आने तक यह कार्य करने में फाउंडेशन को मदद करें ताकि पौधारोपण केवल औपचारिकता भर न रह जाए बल्कि उनमें से अधिक से अधिक पौधे आसानी से पनप सकें।

पौधारोपण कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण) श्रीकांत पाराशर भी उपस्थित थे। इसके अलावा बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष परिवार की युवतियों ने भी स्वेच्छा से उपस्थित रहकर श्रमदान किया।

पाराशर ने इस अवसर पर रामराज पुरोहित के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और युवापीढी की पर्यावरण संरक्षण में रुचि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

'एक कदम आगे' के तहत कृत्रिम हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

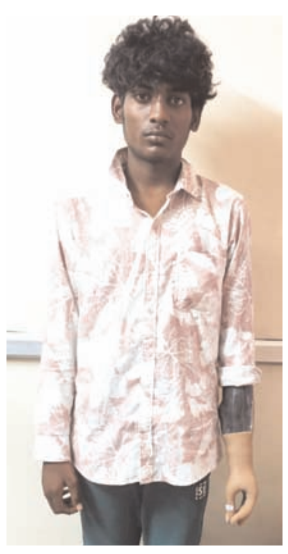

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई-गोल्ड की अनूठी पहल में 'एक कदम आगे' के तहत 22 अप्रैल को नवीन कुमार नामक एक युवा लड़के को मुक्ति फाउंडेशन के डॉक्टर शताब्दी द्वारा कृत्रिम हाथ प्रत्यारोप किया गया है। अब दैनिक कार्य करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। वह अपने हाथ से कोई भी वस्तु उठा कर रख सकेगा। यह सुविधा महावीर इंटरनेशनल चेन्नई गोल्ड के चेयरमैन महेन्द्र-गुणवंती पगारिया द्वारा अतक प्रयास से हुआ है।.

उत्साहपूर्ण वातावरण में साध्वीश्री पावनप्रभा ने किया बेंगलूरु नगर में प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ साध्वीश्री पावनप्रभाजी का शुक्रवार को बेंगलूरु सीमा में मंगल प्रवेश एवं स्वागत समारोह का आयोजन मैसूरु केंगेरी रोड स्थित पंचमुखी गणेश मन्दिर में हुआ। साध्वीश्री ने प्रातः तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र कुंबलगुड़ से विहार किया तो साथ में तेरापन्थ सभा, राजराजेश्वरीनगर, विजयनगर, हनुमंतनगर एवं राजाजीनगर, यशवंतपुर के तेरापंथ युवक परिषद के सदस्य शामिल हुए। नगरसीमा में मंगल प्रवेश के साथ ही साध्वीश्री ने मंगल पाठ सुनाया। अपने स्वागत समारोह में साध्वीश्री पावन प्रभाजी ने कहा कि आज प्रसन्नता है कि गुरुदेव के निर्देशानुसार हम बेंगलूरु पहुंच गए। हम बेंगलूरु में धर्म की पूंजी को बढ़ाने एवं अपनी पूंजी सुरक्षित रखने के लिए आए हैं। धर्म की पूंजी आपकी जेब में होगी तो आपका घर, परिवार सुख समृद्धि और शांति से सरोबार होगा। साध्वी वृंद ने सामूहिक गीतिका की प्रस्तुति दी।ङ्ग तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया। सीमा प्रवेश कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु संयोजक रतन दक को साधुवाद दिया गया।

मैसूरु के पावापुरी जल मंदिर के शिखर पर हुआ 11वां ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रांगण में पावापुरी जल मंदिर का 11वां ध्वजारोहण पूरे विधि विधान से साध्वी शीतलरत्नाश्रीजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ध्वजा के संपूर्ण लाभार्थी बनने का लाभ चम्पाबाई गुलाबचंद व सुंदरबेन वसंतकुमार राठौड़ परिवार को प्राप्त हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर में भक्तिभाव का वातावरण बना रहा। सुमतिनाथ जैन महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा श्रद्धा व आस्था से स्नात्र पूजा एवं सतर भेदी पूजा सम्पन्न कराई गई। साथ ही जल मंदिर के वार्षिक चढ़ावे भी बोले गए। राठौड़ परिवार के सदस्यों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। ङ्गपूज्य साध्वीजी ने अपने प्रवचन में ध्वजा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, सचिव प्रवीण जैन, उपाध्यक्ष वसंत जैन, खजांची पारस जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन सहित अशोक जैन, जयंतीलाल जैन, राजेश जैन, कांतिलाल जैन, मांगीलाल जैन, शांतिलाल जैन, हीराचंद जैन, सुविधिनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल जैन, धनेश जैन एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे ।

बीजेएस मैसूरु ने 'कैरियर कंपास' विषयक कार्यशाला आयोजित

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस), मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में शुक्रवार को कैरियर कंपास कार्यशाला का आयोजन किया गया। लेडीज़ विंग चेयरपर्सन शर्मिला धोका ने सभी अथितियों का परिचय दिया। कार्यशाला में सीईओ एन रविशंकर ने बताया कि कैरियर निर्माण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, जो आत्म जागरूकता, योजना और निरंतर सीखने पर आधारित है। एक सफल कैरियर न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि व्यक्तिगत संतुष्टि और समाज में योगदान का अवसर भी देता है। कैरियर की शुरुआत अपनी रुचियों, कौशल, प्रतिभा और व्यक्तित्व को समझने से होती है। नेटवर्किंग में अपने क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ते हुए परामर्शदाताओं की मदद लेनी चाहिए। मॉनिटरिंग जैसी साइटों का उपयोग करें। यह आपको नए अवसरों के बारे में जानकारी दे सकता है। कार्यशाला में 9वीं व 12 वीं के 40 विधार्थियों भाग लिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। योजना निदेशक कौशिक जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.